



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 17, 1977 (अग्रहायण 26, 1899)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 17, 1977 (AGRAHAYANA 26, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की सम-संबद्धक अधिसूचना दिनांक 5-8-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री अनिलेन्दु गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-1977 से आगामी आवेशो तक उप सचिव के पद पर चयन ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

म० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 5-8-1977 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयोगकर) के अधिकारी श्री ए० एन० कोलहटकर को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-1977 से 3 माह की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेशो तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

म० ए० 32013/3/76-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 10-8-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया 376GI/77

को राष्ट्रपति द्वारा 4-10-1977 से 11-11-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेशो तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1	2	3

सर्वेश्वरी		
1. वीर सिंह रियात	3-10-1977 से	
	2-1-1978 तक	

1	2	3
2. आर० आर० अहीर		5-10-1977 से 31-12-1977 तक
3. प्रीतम लाल		12-10-1977 से 11-11-1977 तक

प्र० ना० मुख्यर्जी
अवर सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० 7 आर० सी० टी० 28 (i)—केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० रठौर जिन्हे आयोग की अधिसूचना स० 2/28/77-प्रशासन तारीख 22-8-1977 द्वारा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया था 15 नवम्बर, 1977 की अपराह्न में सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये।

स० 7 आर० सी० टी० 28 (ii)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० रठौर को आयोग में 17-11-77 से 16-1-1978 तक या अगले आदेश तक जो भी पहले हो—स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० बी०-2/70-प्रशासन-5—नागालैण्ड सतर्कता आयोग, कोहिमा में पुलिस उप-अधीक्षक (सतर्कता) के रूप में चयन हो जाने पर, श्री बी० एन० सिन्हा, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा ने दिनांक 31-10-77 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 24 नवम्बर 1977

स० ए०-19015/1/77-प्रशासन-5—दिनांक 26-10-77 की समस्याक अधिसूचना के अधिक्रमण में, न्याय विभाग से स्थानान्तरण पर, श्री श्री० बी० सरन, अनुभाग अधिकारी ने दिनांक 12-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी का कार्यभार सभाल लिया है।

राजेन्द्र प्रकाश गुप्त
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1977

स० ए०-19036/9/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री जी० एम० अम्बाडकर को दिनांक 31-10-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एम० अम्बाडकर को दिनांक 31-10-77 (पूर्वाह्न) से विमदलाल जाच आयोग में पुलिम उप-अधीक्षक के रूप में पद स्थापित किया जाता है।

स० ए०-19036/10/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री आर० एस० नरवेकर को दिनांक 31-10-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एस० नरवेकर को दिनांक 31-10-77 (पूर्वाह्न) से विमदलाल जाच आयोग में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पद-स्थापित किया जाता है।

विजय पाल पाण्डे
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 नवम्बर 1977

शुद्धि-फैल

स० पी० सात० 3/77-स्थापना—इस महानिदेशालय के अधिसूचना सख्ता पी० सात-2/76-स्थापना दिनांक 24-8-77 के पैरा 2 का आंशिक सशोधन करते हुए श्री बी० डी० सरीन, महानिदेशालय, क०० रि० पु० बल में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियमित रूप से 17-12-1974 से पदोन्नत किए जाते हैं।

एस० एम० घोष,
महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 नवम्बर 1977

स० पी० सात० 4/76-स्थापना-४—राष्ट्रपति, सूबेदार कशमीरा सिंह को उप-पुलिम अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2 उन्होंने अपने पद का कार्यभार 22वीं बाहिनी मे 3-11-1977 (पूर्वाह्न) से आई० ई० बी० पी० से प्रत्यावासन होने पर संभाल लिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1977

स० ओ०-II-71/74-स्था०—मेजर एम० पी० लाल ने स्थल सेना मे प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 11 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से सिग्नल घुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स मे सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक श्री अंजीत मिह को उत्तर प्रदेश मे जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे तारीख 4 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशो तक तिरंगा आवार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ मे होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक श्री बी० पी० रस्तोगी, जो इस समय मेघालय, शिलाग मे जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर वार्षिक है, को उसी कार्यालय मे 7 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशो तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय शिलाग मे ही रहेगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक, श्री एम० पी० ग्रोवर को श्री जी० एम० पावासा के तारीख 29 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से, अन्वेषक के अपने नियमित पद पर प्रत्यावर्तन हो जाने के कारण उसी तारीख से अगले आदेशो तक पंजाब मे जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय चंडीगढ़ मे होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की सिकारिश पर राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) श्री मरिमुत्थ नगपन्न को तिरंगा नाड़ु और तापिडवेरी के जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे तारीख 7 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से

अगले आदेशो तक सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय मद्रास मे होगा।

स० 13/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक, श्री छीतरमल को उड़ीसा मे जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे तारीख 10 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशो तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय कटक मे होगा।

2. श्री छीतरमल ने दिनांक 30 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर धारित अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० पश्चानाभ
महापंजीकार और
पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार कार्यालय मे अन्वेषक तथा इस समय लक्ष्मीप जवारती मे जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे सहायक निदेशक, जनगणना निदेशक, कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत श्री ए० के० विश्वाम को उसी कार्यालय मे, उसी पद पर नियमित आधार एवं अस्थायी तौर पर तारीख 9 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशो तक सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

उनका मुख्यालय कलकत्ता मे होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक, श्री वाई० जी० कुण्डा-मृति को, तारीख 10 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशो तक पश्चिमी बगाल कलकत्ता मे, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उनका मुख्यालय कलकत्ता मे होगा।

स० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे अन्वेषक, श्री आर० के० सिंह, को 16 नवम्बर 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशो तक, महाराष्ट्र मे, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे नियमित आधार एवं अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं। उनका मुख्यालय बम्बई मे होगा।

बद्रीनाथ
उप महापंजीकार और
पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 24 नवम्बर 1977

स० 1438/ए०—दिनांक 4-9-1976 के क्रम में सर्वश्री ज० एच० सध्यद और आर० व्यक्टरमन् को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-11-77 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

श्री० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक,
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार, बिहार

राजी०-1, दिनांक 19 नवम्बर 1977

स० स्था०-1-ओ० डी०-3096—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सतीश चन्द्र राजत को अपने कार्यालय में ही दिनांक 12-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेला अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोत्स्थत करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० स्था०-1-ओ० डी०-3092—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मनोज उमा गुहा को अपने कार्यालय में ही दिनांक 28-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर महर्ष प्रोत्स्थत करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० स्था०-1-ओ० डी०-3130—महालेखाकार बिहार राजी अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री भैरव चन्द्र दत्ता को अपने कार्यालय में ही दिनांक 31-10-77 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर महर्ष प्रोत्स्थत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिन्हा
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासा०)
बिहार।

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेस फैक्टरिया सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेस फैक्टरिया

कलकत्ता-69, दिनांक 26 नवम्बर 1977

स० 81/77/जी०—वार्धक्य निवृति आगु (58 वर्ष)
प्राप्तकर, श्री नीलरत्न दे, स्थानापन्न टी० एस० ओ०
(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1977
(अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० एन० शुक्ला,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेस फैक्टरिया

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1977

आयात तथा नियर्ति व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

स० 6/489/58-प्रशासन (राज०)/8243—राष्ट्रपति, श्री आर० एस० बंसल, स्थायी नियंत्रक, आयात-नियर्ति (द्वितीय श्रेणी) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय नई दिल्ली में 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति, के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 6/606/60-प्रशासन (राज०)/8250—सेवा निवृत्ति की आगु होने पर, श्री ज० सी० राय, नियंत्रक, आयात-नियर्ति ने 31 अक्टूबर, 1977 के द्वितीय बाद से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, के कार्यालय नई दिल्ली में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० 6/744/65-प्रशासन (राज०)/8258—राष्ट्रपति, इस संगठन के श्री पी० सी० प्रसाद सिंहलेकर, स्थायी नियंत्रक, आयात-नियर्ति को, 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, गोदा के कार्यालय में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० 6/887/69-प्रशासन (राज०)-8295—सेवा निवृत्ति की आगु होने पर श्री जी० के० गाधी स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-नियर्ति ने 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, बम्बई में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० 6/415/56-प्रशासन (राज०)/8302—राष्ट्रपति, श्री के० आर० धीर, स्थायी नियंत्रक, आयात-नियर्ति को, 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न आधार पर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० 6/491/58-प्रशासन (राज०)/77-8332—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० भार्गव, स्थायी नियंत्रक, आयात-नियर्ति (वर्ग-2) को इस कार्यालय में 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 6/486/58-प्रशासन (राज०)/8364—राष्ट्रपति, इस संगठन के श्री आर० एस० पवार, नियंत्रक, आयात-नियर्ति को 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति, केन्द्रीय

लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न आधार पर उप-मुख्य निदेशक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० बे० प्रोप्रादि,
मुख्य नियंत्रक,
आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय
कार्यालय हथकरघा विकास आयुक्त
नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1977

स० ए०-12011/8/77-डी० सी० ए८०—राष्ट्रपति, श्री जी० डी० बबेला, उा निदेशक (छिंगाहन), बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई, को 15 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये उसी केन्द्र में डिजाइन निदेशक (निर्यात) के पद पर सहृदय नियुक्त करते हैं।

(क०) रेणु महाना,
उप-विकास आयुक्त
(हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1977

स० प्र० १/१ (655)/III—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उा निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा युप ए के ग्रेड-II) श्री ए० के० कल्याणरामन को दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, युप ए के ग्रेड-I) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक नवम्बर 1977

स० प्र०-१/१ (753)/-II—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा, युप ए० के ग्रेड-III) श्री सर्वेंश स्थरूप को दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, युप-ए० के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० ए०-१/१ (648)-III—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, युप-ए० ग्रेड-II) श्री एम० मुन्द्ररामन को दिनांक 14 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा

आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-ए० में) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुन्दररामन ने निदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता, के कार्यालय में दिनांक 7 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से उप निदेशक का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 14 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति का पदभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 29 नवम्बर 1977

स० ए०-1/2 (360)—राष्ट्रपति, श्री अरदमनसिंह जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 21 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-IV) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

स० ए०-1/2 (360)—राष्ट्रपति, श्री अमरलाल जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 6-6-77 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 8 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1977

स० प्र०-१/१ (1105)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतदद्वारा निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मडल नई दिल्ली के कार्यालय अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री ज्ञान चन्द को दिनांक 16 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री ज्ञान चन्द की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त श्री एम० कुल्लुवामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

स० ए०-१/२ (360)—राष्ट्रपति, श्री आर० एन० दास जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 7-11-74 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य

कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के युप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1977

सं० प्र०-१/१ (1107)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री जयशी राम को दिनांक 16 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री जयशी राम की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त श्री एम० कुपुस्त्वामी द्वारा उच्च न्यायालय में दायर वीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० ए०-१/२ (360)—राष्ट्रपति, श्री एस० एन० बैनर्जी जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में ७ नवम्बर, 1974 के अन्तर्गत से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के युप ए० के ग्रेड-I) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक के लिए इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के युप ए० के ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उपनिदेशक (प्रशासन),
कूतू महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० ए०-19011/202/76-स्थाना-ए०—राष्ट्रपति श्री ए० के० श्रीवास्तव को 24 अक्टूबर के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन मूर्खानी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कामलिय अध्यक्ष,
कूतू नियंत्रक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० ३/५९/६०-एस०-दो—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री बी० पी० बद्री, बरिष्ठ लेखाकार, केन्द्रीय विक्रम एकाकाशवाणी, बद्री को, दिनांक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से, श्रगले आदेशों तक, श्राकाशवाणी इन्दौर में, प्रशासन अधिकारी के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उपनिदेशक,
कूतू महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1977

सं० १०/१०९/७७-एस० III—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री एस० जवाहक को श्राकाशवाणी सम्भलपुर में दिनांक 11-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० ४ (५१)/७७-एस०-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० श्रीनिवासराघवन को, श्राकाशवाणी तिरुचिरापल्ली में १०-१०-१९७७ से श्रगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० ४ (१२)/७७-एस०-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्वारा श्री हसोतुदीन सिहीकी को श्राकाशवाणी, अम्बिकापुर में ३१-१०-१९७७ से श्रगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ४ (५६)/७७-एस०-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्वारा श्री अन्दुरंहमान को, श्राकाशवाणी, राची में १-१०-१९७७ से श्रगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० १०/७९/७७-एस०-III—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री पी० के० जैन को श्राकाशवाणी सिलचर में दिनांक १४-१०-७७ से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० १०/९५/७७-एस० III—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री चन्द्र ली० शर्मा को श्राकाशवाणी छतरपुर में दिनांक १-११-७७ (अप्रूल) से महायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

नव किशोर भारतीय,
प्रशासन उपनिदेशक,
कूतू महानिदेशक

सूचना और प्रशारण मन्त्रालय
फिल्म प्रभाग
बम्बई-26, दिनांक 23 नवम्बर, 1977

सं. ए० 12026/1/77-मिवन्दी-1—श्री० एस० पी० रामन, स्थायी कैमरामैन, समाचार अधिकारी होने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख नियुक्ति ने श्री ए० आर० शारीफ स्थानापन्न सहायक समाचार अधिकारी, फिल्म प्रभाग, जैपुर को दिनांक 24-10-1977 के पूर्वाह्न से कैमरामैन के पद पर, फिल्म प्रभाग नयी दिल्ली में नियुक्त किया गया है।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख नियुक्ति

स्वास्थ्य सेवा याहानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं. 12-24/73-प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आवृत्ति जाने के कारण स्वास्थ्य सेवा याहानिदेशक के अनुभाग अधिकारी श्री एम० के० चैटर्जी, 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से नौकरी नौकरी से सेवा निवृत्ति हो गये हैं।

शामनाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विषयन एवं नियोजन निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1977

सं. 4-5 (84)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्थुतियों के मनुपार श्री गोपाल निह, वरिष्ठ रसायनज्ञ को नागपुर में दिनांक 25 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आवेदन होने तक स्थानापन्न रूप में विषयन अधिकारी (वर्ग III), नियुक्त किया जाता है।

सं. 4-6 (129)/77-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्थुतियों के मनुपार श्री पी० कुटुम्बा राव, वरिष्ठ नियोजक को इस निदेशालय में हैदराबाद में दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न महायक विषयन अधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर, 1977

सं. 2 (1)/77-स्था० (II)—श्री अमर सिंह को विस्तार नियोजन संस्थान, नीलोखेड़ी, जिला करनाल (हरियाणा) में डिजाइन इंजीनियर के पद पर रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में दिनांक 7 अक्टूबर, 1977 से आगामी आवेदन तक सर्वथ रूप में नियुक्त किया गया।

चन्द्र प्रकाश
प्रशासन निदेशक

राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

क्रमांक 4-7/76-प्रकाशन—श्री डी० पी० मोहनदा, जो कि सैन्य लेखा महानियंत्रक के कैडर में रक्षा लेखा सेवा के स्थायी लेखा अधिकारी है, और राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण, देहरादून में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, की सेवाएँ दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 की अपराह्न से, नियर्तन की आवृत्ति 58 वर्ष ग्रहण करने पर, सैन्य लेखा महानियंत्रक के कार्यालय आदेश भाग-II, क्रमांक 84 दिनांक 5-2-1977 के अनुसार सैन्य लेखा महानियंत्रक के पेन्शन स्थापना अनुभाग को स्थानान्तरित की जाती है।

श० पालिथ
मुख्य समन्वयक

परमाणु ऊर्जा विभाग

कृषि एवं भूदार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं. डी० पी० एस०/23 (4)/77-स्थापना/33201—परमाणु ऊर्जा विभाग के कृषि एवं भूदार निदेशक, कृषि एवं भूदार निदेशालय के निम्नलिखित कृषि महायकों को उनके नामों के सामने लिखी अवधि के लिए उसी निदेशालय में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक कृषि अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं.	नाम	अवधि, जिसके लिए नियुक्ति की गई है	टिप्पणी
1.	श्री के० के० कृष्णन	28-10-77 से 24-11-77 तक	श्री एस० जे० प्रधान, महायक कृषि अधिकारी, जिन्हें छह दिनों के अन्तराल में प्रदान की गई है, के स्थान पर।

1.	श्री के० के० कृष्णन	28-10-77 से 24-11-77 तक	श्री एस० जे० प्रधान, महायक कृषि अधिकारी, जिन्हें छह दिनों के अन्तराल में प्रदान की गई है, के स्थान पर।
----	---------------------	-------------------------	--

(1)	(2)	(3)	(4)
2 श्री सी० एस०	24-10-77	श्री वी० एल० ठाकुर, शिवरामू	से सहायक कार्य अधिकारी, जिन्हे छुट्टी 24-11-77 प्रदान की गई है, तक के स्थान पर।
			वी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद 500762, दिनांक 6 नवम्बर, 1977

स० पी० ए० आर०/0704/2962—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय इंधन समिक्षा, श्री मोहम्मद मिन्हाज रसूल, उच्च श्रेणी लिपिक को 5-11-1977 से 4-12-1977 या आगामी आदेशों, जो भी पहले घटित हों, तक के लिए नाभिकीय इंधन समिक्षा, हैदराबाद में तदर्थ रूप में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

य० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक नवम्बर 1977

स० रा० प० वि० प०/भर्ती 3 (2)/77/एल०/1597—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इन्जीनियर, इस परियोजना के स्थायित्व सहायक फोरमैन और स्थानापन्थ फोरमैन श्री पी० सी० नाटेकर को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इन्जीनियर ग्रेड एस० वी० के पद पर 1 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल चिह्न
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
वास्ते, मुख्य परियोजना इन्जीनियर

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

संदर्भ: भा० प० प० ए०/स्था०/1/म-13/5823—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री वसत कुल्लण महागावकर, भारी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य-कार्यालय) के, स्थानापन्थ सहायक लेखापाल को 24 अक्टूबर 1977 (पूर्वाह्न) से 24 नवम्बर 1977 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से श्री अ० मू० ईश्वा, प्रदूषक लेखा अधिकारी जो स्थानापन्थ लेखाधिकारी II

नियुक्त हुए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ: भा० पा० प० ए०/स्था०/1/ट-22/5824—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्या, स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्थ सहायक लेखाधिकारी, भारी परमाणु अनुसंधान केन्द्र, जो अब भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त है, को उसी कार्यालय में अस्थायी तदर्थ आधार पर 4 अक्टूबर 1977 (पूर्वाह्न) से 24 नवम्बर 1977 (अपराह्न) तक के लिए श्री एस० एस० कम्बेकर, लेखाधिकारी II जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर स्थानापन्थ लेखाधिकारी II नियुक्त करते हैं।

टी० सी० स्थाकोर्टि
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीधर

टी०ए०पी०पी०-401504, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० टी० प० प० एस०/1/18 (3) 77-आर०—परमाणु कर्जा विभाग के तारापुर परमाणु विजलीधर के मुख्य अधिकारी, इस कार्यालय की दिनांक 13 सितम्बर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना को अधिकृत करके, इस परमाणु विजलीधर के एक स्थायी निजी सहायक श्री वी० के० पी० पिल्लै को रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, 21 जुलाई, 1977 से अगले आदेश तक के लिए महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० वी० मारकाले
मुख्य प्रशासन-अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनांक 14 नवम्बर 1977

स० ए०-32013/4/77-आर०—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री के० जी० सैमुश्ल को, उसी केन्द्र में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड वी के पद पर अस्थायी रूप से 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाहन से अगले आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृत परियोजना निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप

कलपक्कम-603102, दिनांक 9 नवम्बर 1977

स० सी० ई० जी०/1(6) 77-प्रशा०—परमाणु कर्जा विभाग की कलपक्कम स्थित परियोजनाओं के सिविल इंजीनियरी वर्ग के मुख्य अभियन्ता (सिविल), अस्थायी पर्यवेक्षक (सिविल)

सर्वश्री आर० त्यागराजन, के० श्रीकान्तैया, एच० गणेशन तथा एन० कुमार को, 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए मिविल इंजीनियरी वर्ग, कल्पकम में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वैकटेश्वरन
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विभाग संत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० ई०(1) 00938—वैधशालाओं के महानिदेशक, श्री ए० बी० मजुमदार को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 15 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक, महायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मजुमदार को वैधशालाओं के उप महानिदेशक (जनशायु विज्ञान) पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई०(1) 06790—वैधशालाओं के महानिदेशक श्री ए० के० डे० को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय मिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 22 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक महायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री डे को निदेशक (उपकरण) पुणे के कार्यालय में तैनात किया गया है।

गुरुमुख राम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 नवम्बर 1977

सं० 16/270/77-स्थापना-I—अधिक्षक, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० रीता धवन को 9 नवम्बर, 1977 के अपराह्नि से अगले आदेशों तक महर्षे अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टाचार
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहरणिय

पटना, दिनांक 5/24 नवम्बर 1977

सं० 11(7) 1-स्था०/77/13265—श्री एस० पी० श्रीवास्तव, छिप्टी एस० पी०, सी० आर० पी० एफ० को 2-376GI/77

संचार पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर सचार निदेशालय के अन्तर्गत, भारत मरकार, राजस्व विभाग नई दिल्ली के आदेश संख्या 124/77 दिनांक 4-8-77 के अनुसार रु० 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300/- तथा विशेष वेत० रु० 100/-प्रतिमाह के दर से वेतनमान पर नियुक्ति के अनुसरण में वै सचार पदाधिकारी, सीमा शुल्क (नि०) समाहरणिय, पटना के अन्तर्गत वित्त मन्त्रालय, राजस्व विभाग, सचार निदेशालय (सीमा शुल्क) नई दिल्ली के आदेश संख्या 9/77 दिनांक 9-8-77 के अनुसार दिनांक 12-8-77 के पूर्वाह्नि में दिल्ली में कार्यभार ग्रहण किया ग्रार दमके उपर्यन्त दिनांक 16-8-77 पूर्वाह्नि को पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय

समाहरण

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

पटना, दिनांक 26 नवम्बर 77

सं० 11(7) 1-स्था०/77/13308—भारत मरकार, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 29-8-77 के आदेश संख्या 136/77 तथा उस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 244/77 दिनांक 7-9-77 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद समाहरणिय, पटना के श्री सी० के० कलोनी अधीक्षक श्रेणी 'प्र' दिनांक 12-9-77 के पूर्वाह्नि में महायक समाहरण (छुट्टी/रिजर्व) के रूप में केन्द्रीय उत्पाद (मुख्यालय) कार्यालय, पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय

समाहरण

केन्द्रीय उत्पाद पटना

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 नवम्बर 1977

सं० 13/77—श्री एच० सी० सक्सेना ने निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद से सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 31-10-77 के दोपहर बाद से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 14/77—श्री एस० हमीदुल हम्मन, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरणिय इलाहाबाद में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक ग्रुप 'ख' के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 31-10-1977 (दोपहर बाद से) श्री एच० सी० सक्सेना के सेवा निवृत्त होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० 15/77—श्री धर्म पाल शर्मा ने, जो हाल में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरणिय चंडीगढ़ में के० उ० शु० ग्रुप 'बी' के अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 11-11-77

(पूर्वांक) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय (सी० श० तथा के० उ० श०) नई दिल्ली के मुम्हालय में निरीक्षण अधिकारी (सी० श० तथा के० उ० श०) श्रृंप 'बी' का कार्यभार संभाल लिया है।

सु० बेक्टरामन्
निरीक्षण निवेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिदेशालय
बम्बई-400001, दिनांक 23 नवम्बर 1977
(व्यापारिक नौवहन)

म० 14-टी० आर० (5)/63—समुद्री अभियात्रिक प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में हंजीनियरी के प्राध्यापक श्री श्री० पी० महेता ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणामस्वरूप अपने पद का पदभार नारीख 11-7-1977 (पूर्वांक) से छोड़ दिया है।

के० एस० सिधू
नौवहन उप महानिदेशक

स्थारी डिब्बा कारखाना
महाप्रबन्धक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/सेल
मद्रास-38, दिनांक 25 नवम्बर 1977

म० का० शा०/रा०/मा०/9/विविध—श्री के० रामचन्द्रन, स्थानापन्न वरिष्ठ यात्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ वेतनमान) जो कलकत्ता द्रामबेज के लिं मे प्रतिनियुक्त हुए थे, वहां से वापस आकर 4-10-77 के पूर्वांक को स्थारी डिब्बा कारखाने से ड्यूटी पर हाजिर हुए।

श्री सी० एस० बेक्टरामन, स्थानापन्न जिला भडार नियंत्रक/डिपो/फर (वरिष्ठ वेतनमान) को 11-10-1977 के पूर्वांक को श्रेणी II सेवा मे पदावनत किया गया।

श्री सैयद नियमतुल्ला स्थानापन्न सहायक उत्पादन हंजीनियर/प्रगति/फर (श्रेणी II) को 27-10-77 से कर्मशाला प्रबन्धक/फर के रूप मे वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

सु० बेक्टरामन्
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबन्धक

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

म० 76 उम्मू० 4/सी० एन० एल०/एन० ई०/25—
एतद्वारा सर्व-साधारण के सूचना के लिए जापित किया जाता

है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने नौसनवा से सोनारी-तक (10 कि०-मी०), मीटर लाइन के निर्माण के लिए टोह्रा/प्रस्तुतिक स्त्रीनियरिंग एवं यातायात सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी है। यह सर्वेक्षण पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

बी० मोहन्नी
सचिव, रेलवे बोर्ड

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर
कलकत्ता, दिनांक 18 नवम्बर, 1977

स० जी०-65/बी (कान) — अधोहस्ताक्षरित इसी द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक संसाधनों (रसायन) सर्वेत्री सुन्दर घटक, और टी० के० दस्त को यथाक्रम 24-10-77 (पूर्वांक) और 31-10-77 (पूर्वांक) से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थे वैज्ञानिक अधिकारियों (रसायन) के रूप मे नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० जी०-65/बी (कान) — अधोहस्ताक्षरित इसी द्वारा श्री फणी भूषण चक्रवर्ती को 25-10-77 (पूर्वांक) से आगामी आदेश तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप मे नियुक्त करते हैं।

बी० सी० विश्वास
यु० ग्न निदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधी बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1958 और दि सौत आर्कट वीरना-रायनी प्रोड्यूस एण्ड कार्मस लिमिटेड के विषय मे।

मद्रास-6, दिनांक 10 मार्च 1976

स० 2541/लिख०/एस० 247(5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि सौत आर्कट वीरना-रायनी प्रोड्यूस एण्ड कार्मस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि षमुगविलास थिएट्स लिमिटेड के विषय मे।

मद्रास-6, दिनांक 11 मार्च 1976

स० 2681/ लिख० /एस० 560(5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि षमुगविलास थिएट्स लिमिटेड का नाम आज स्जिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्यागी इडस्ट्रीज लिमिटेड
(इनलिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० 3604/लिकु/एस० 560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि त्यागी इडस्ट्रीज लिमिटेड (इनलिक्विडेशन) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विषट्टि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और
“रुबी रब्बर वर्स (मद्रास) लिमिटेड” के विषय में।
(कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

मद्रास-6, दिनांक 22 नवम्बर 1977

सं० 3707/को० लि०/77—एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 60/1974 में उच्च

न्यायालय मद्रास, की फाइल पर दिये गये दिनांक फरवरी 14, 1975 के आदेश द्वारा कम्पनी रुबी रब्बर वर्स (मद्रास) लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बीनस चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (इनलिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 29 नवम्बर 1977

सं० 3567/लिक्वि/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बीनस चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (इनलिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टि हो गयी है।

सौ० अच्चुतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर

प्रकृति आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बबई

बम्बई, दिनांक 26 नवम्बर 1977

निवेश स० अ० ई० IV /802-1/मई 77-आन: मुझे, एम० सी० उपाध्याय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० 'लाट नं० 'बी' सर्व० न० 146 (हिस्सा) गाव नाहुर मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बबई मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किमी आय की वाष्पत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उपरे बचने मे गुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्किनयों अर्थात् :—

1. जय शास्त्री नगर को आप० हाउ० सो० लि०

(अन्तरक)

2. न्य० शास्त्री नगर को० आप० हाउ० सो० लि० ।
(अन्तरिती)

3. न्य० शास्त्री नगर को० आप० हाउ० सो० लि० के सदस्यो की सूची।—

श्र०स०	सदस्यो के नाम
1.	श्री एन० ओ० के० पिल्लाय
2.	श्री डी० एच० ददलानरी
3.	श्री के० विजय
4.	श्री के० वी० केणवनउल्ली
5.	श्री जेस्टीन जेकब
6.	श्री प्रमोद एम० बासुर
7.	श्रीमती वी० एन० रोहिरा
8.	श्रीमती सावित्री जयुराजन
9.	श्री सी० पी० कलानो
10.	श्री ई० ग्रारविद कशन
11.	श्री एम० टी० पजाबी
12.	श्री जी० आर० पिल्लाय
13.	श्री एम० पी० थामम
14.	श्री एम० डी० कपूर
15.	श्री डी० आर० घुसिया
16.	श्री किथुन्नी कुपनन
17.	श्री ए० के० मेहरा
18.	श्रीमती डी० एल० नानू
19.	श्री जे० एन० पद्मानामन
20.	श्री उल्पोत्तम हम्मावेतू
21.	श्री एस० दी० जगेसिया
22.	श्री एम० आर० के० नेटियाल
23.	श्री आर० आर० दारने
24.	श्री प्रर्चो० वी० देवदास
25.	श्री एस० एम० मानधू
26.	श्री वाई० एम० सेट्टी
27.	श्री टी० एम० एन० नाथर
28.	श्रीमती ओमना के० नंदियार
29.	श्री के० एस० नानी
30.	श्रीमती मोहनी के० गुरनानी
31.	श्री के० वी० सुधी
32.	श्रीमती जी० ए० उपाध्याय
33.	श्री के० बालकृष्णन
34.	श्री ए० ग्रार० गर्मी
35.	श्री पी० बी० सनेना
36.	श्री पी० जी० एन० पिल्लाय
37.	श्री ए० टी० मध्यू
38.	श्री आर० बजाज
39.	श्री जे० एम० पुथराम

क्र०स०	सदस्यो के नाम	क्र०स०	सदस्यो के नाम
40	श्री के० उम्भी माधवन	87.	श्री एस० आर० पंजाबी
41.	श्री जगमोहन बेदून	88	श्री डी० एन० नानक
42.	श्रीमती एम० मिखरजी	89	श्री अजीत सिह खेरमिह
43.	श्री एस० गाधी	90.	श्री चैरीयम अग्राहिम
44	श्रीमती रामदेव सचदेव	91	श्री एम० एम० पुथगम
45.	श्री एस० जी० देशपांडे	92	श्री एन० कुमारन्
46.	श्री एम० के० शेट्टी	93	श्री ओमेन मेथिव
47.	श्रीमती रत्ना	94.	श्रीमती के० माल्ती शकरन्
48	श्री एन० एन० कोठारी	95	श्रीमती सुरेश कृष्णकात ए०
49	श्री गोविन्दराम एल० राजुमथ	96	श्री एच० बी० नागावकर
50.	श्रीमती जे० पी० शिव	97.	श्री एम० बी० बदलानी
51.	श्री विलियम मोनटेरियो	98	श्री जी० एम० गोहिल
52	श्री परमियानी मंहता बी	99	श्री एच० एम० गोहिल
53.	श्री के० जी० दरवानी	100.	श्री बी० बी० शिंदे
54.	श्री शणि कात के० श्वली	101	श्री जी० के० थीलकन
55.	श्री ओ० एम० रत्नाकरण	102	श्रीमती ए० के० कृष्णन्
56	श्रीमती कन्नादेवी कपूर	103.	श्री एम० आर० साट्य
57	श्री जसपाल मिह एच० एम०	104	श्री बी० के० नाथानी
58.	श्रीमती जी० एम० दुबे	105	श्रीमती लता एम० राजानी
59	श्रीमती एन० आर० गोपालन	106.	श्रीमती पुष्पा बचानी
60.	श्री जी० एम० कुलकर्णी	107	श्री महेश अम्बेगावकर
61	श्री के० के० शकरन्	108	श्रीमती बी० के० बजाज
62	श्रीमती डी० के० सन्धू	109.	श्री कर्तार सिह
63.	श्री पुष्पा डी० जोशी	110	श्री जी० एम० जेकब
64	श्री एस० आर० कृष्णन्	111.	श्री ओ० एम० नदा
65.	श्री आर० जी० गुप्ते	112	श्री पी० गोपालकृष्णन्
66.	श्री सी० एल० गनके	113	श्रीमती आर० आर० भाटिया
67.	श्रीमती यगेजनी थम्बाप्पम	114	कुमारी आई० ओ० कोटवानी
68.	श्री विनोद कुमार बोहरा	115	श्रीमती शैला जे० राव
69.	श्री आर० के० मेथ	116.	श्री के० के० एम० कुरुप
70.	श्री आर० आर० शेख	117	श्रीमती विलदेवी शर्मा
71.	श्री टोपनदास ठाकुर	118.	श्री ज्योति पी० हसवानी
72.	श्रीमती पदमा ए० हेमराजानी	119	श्रीमती मायादेवी शर्मा
73	श्री अन्धोनी दुराय	120.	श्रीमती मुगनीबाई आर० पंजाबी
74.	श्री तलनेन्दर कौर एम०	121.	श्री कमल कृष्णन् कपूर
75.	श्री नाराजन मिह जे०	122	श्रीमती एन० जोहन
76	श्री जे० एम० जेयवानी	123.	कुमारी डी० एल० तेजवानी
77	श्रीमती बी० मेखरानी	124.	श्री सचदेव
78	श्रीमती मर्ह जे० ज्ञालकी	125.	श्रीमती ललिता डी० धार
79.	श्री अर्जन एम० मन्तानी	126	श्री जे० एम० परियानी
80	श्री विनोद अज्ञानी	127.	श्री आर० आर० विलियम्स
81.	श्रीमती अनमाला नाथर	128.	श्रीमती एच० टी० अहुजा
82.	श्री के० के० गोरगे	129.	श्री जी० जी० डिमूजा
83.	श्री पी० डी० नायडू	130	श्री बी० बचानी
84	श्री बी० के० उल्ली नाथर	131.	श्रीमती अमीनी जोसेफ
85.	श्रीमती मुम्पादेवी जैन	132	श्रीमती ई० मनिकम्पम
86.	श्रीमती कमला एच० पंजाबी	133	कु० किरन एस० जैन

क्र०स०	सदस्यों के नाम
134.	कु० श्रावा एम० जैन
135.	श्री जी० एन० रामन जैन
136.	श्री एम० सिंह मनचन्द्रा
137.	श्री ज्ञान चन्द्र नगवानी
138.	श्री ए० जे० बेरङ्गेरे
139.	श्रीमती एम० के० दवालिवाल
140.	श्री जी० बी० बेदी
141.	श्री मुकेश के० रानेय
142.	श्रीमती पद्मा ठाकुर
143.	श्रीमती शापिदा मोहनमद
144.	श्रीमती डी० बी० नागपाल
145.	श्रीमती के० एम० पंजाबी
146.	श्री डी० के० दंदारी
147.	श्रीमती एस० मिश्रा
148.	श्री नटराजन
149.	श्री एम० के० शर्मा
150.	श्री आर० के० जैतलेय
151.	श्री जी० बद्यल
152.	श्री श्रज्जन बी० मन्नानी
153.	श्री मती बिमला
154.	कुमारी पुष्पा एम० नागपाल
155.	श्री जे० एम० काले
156.	श्रीमती पी० सुरेन्द्र मिह
157.	श्री डी० जी० शेलार
158.	श्रीमती गोमनीबाई अग्रवाल
159.	श्री ए० बी० नयनिती
160.	श्री के० मधुवनी
161.	श्रीमती सावन अरुणा के०
162.	श्री के० बलान
163.	श्रीमती भाट महादेवी डी०
164.	श्री रोचिराम
165.	श्री रोचिराम
166.	श्री एम० जे० अहुजा
167.	श्री अहुजा
168.	श्री मेहरा
169.	श्रीमती बी० कराट
170.	श्रीमती जोशी
171.	श्री के० एन० चौधरी
172.	श्रीमती एम० भडारे
173.	श्री आर० डी० भडारे

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसंबंधी

खेती की खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो
गाव नाहर, मुखुड में मौजूद पड़ा हुआ, लाट न० “बी” माप में 12,
990 वर्ग गज या 10861.27 वर्गमीटर, सर्वे न० 146
अण का एक हिस्मा, बान्धा रजिस्ट्री उप जिला, बंबई उप नगर
जिले में है और इस प्रकार सीमावद्ध है कि:—

पूर्व की ओर इन्हीं विशेषाओं की सम्पत्ति,
पश्चिम की ओर सरकारी जमीन,
दक्षिण की ओर ई० रत्नशा प्रा० लि० की जमीन, और
उत्तर की ओर नगर निगम की सड़क है।

एम० सी० उपाध्य
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रज्जन रेज-4, बम्बई।

तारीख : 26 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश स० एग्जैल नं० 62 बीटीआई 7278—यत मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अबोहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
कारीब मार्च 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगसार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिथाने
में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्रधारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यान्:—

1. श्रीमति महेन्द्र कौर पुत्री निलोक मिह पुत्र श्री आमा सिह,
फाजिलका गोड, अबोहर।

(अन्तरक)

2. सर्वे श्री प्याग मिह, कुन्दन मिह, दारा सिह पुत्रगण लाभ
मिह पुत्र मुखा मिह वामी मुखेग बस्ती, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सच्ची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकारण है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

अबोहर गांव में 54 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि
रजिस्ट्री नं० 2158 तारीख 2-3-77 सब-रजिस्ट्रार अबोहर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख 14-11-77

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० न० 61/ बी० टी० आई० / 77-78—
यत, मुझे, पी० एन० मलिकप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख मार्च, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा
(1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री सुरेन्द्र मिह, जमविन्द्र मिह सुन्नान मेहर सिंह पुत्र
श्री चन्दा सिंह वासी गोराया।

(अन्तरक)

2. श्री जोगा सिंह पुत्र अर्जीत मिह पुत्र गम कृष्ण वासी
गोराया, तहसील फिलौर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग
में सम्पत्ति है)।4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।उपर्युक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 मर्ला 4 सरसाई जायदाद जो कि गोराया में है जैसा कि
रजिस्ट्री न० 5054 मार्च, 1977 सब-रजिस्ट्रार फिलौर में
लिखा है।पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख: 14-11-77.

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजन रेज भट्टिंडा
भट्टिंडा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश स० ए० पी० 59/ बी० टी० / 77-78 :—यतः, मुझे
पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रतरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिगाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् —

(1) श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र चन्दा सिंह
वासी गोराया।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगा मिह पुत्र अजीत सिंह पुत्र राम कृष्ण वासी
गोराया।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/ 2 मरला जमीन पर एक दुकान जैमा कि रजिस्ट्री नं० 5071
तारीख 14/3/77 सम रजिस्ट्रार फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजन रेज भट्टिंडा

तारीख : 14/11/77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा

भट्टा, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० ६०/ बी० टी० / ७७-७८:—यत, मुझे
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है। तथा
जो गैरिया में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
प्रोटोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगविन्द्र सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र चन्दा सिंह
वासी गौराया।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगा सिंह पुत्र श्री अर्जीत सिंह पुत्र राम कृष्ण
वासी गौराया।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि तं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

एक मरला 4 सरमाई जयदाद गौराया में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्री न० 5053 मार्च, 1977 मब रजिस्ट्रार फिलौर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टा

तारीख : 14/11/77
मोहर .

प्रस्तुप्राई०ट००एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीधारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिंडा कार्यालय

भट्टिंडा, दिनांक 14 नवम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 63/ बी० टी० आई० / 77-78:—
यतः मुझे पी० ए० मलिक।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो डंगर खेरा में स्थित है (और इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दीवान चन्द्र पुत्र अमी चन्द्र वासी नंगल केश तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री वस्त्रियम राम पुत्र पठाना राम पुत्र बहादुर राम वासी डंगर खेड़ा तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56 कनाल 8 मरले जमीन डंगर खेड़ा गांव मे है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 3616 तारीख 30/3 77 मे लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भट्टिंडा

तारीख : 14/11/77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1,
 नई दिल्ली, दिसम्बर 26 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रम्य०/11/1287/77-78/
 4342/—अत. मुझे, ए० एल० सूद,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 में अधिक है

और जिसकी सं० ए०-1/7 है और जो कृष्णा नगर, दिल्ली में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 12 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सीता राम गुप्ता सुपुत्र श्री रघुनाथ दास गुप्ता, निवासी ए० १/७, कृष्णा नगर, दिल्ली-१।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नारायण गुप्ता सुपुत्र श्री सीता राम गुप्ता, निवासी ए०-१/७, कृष्णा नगर, दिल्ली-१।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मिलियन रुपये की 307 1/5 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 7, ब्लॉक नं० ए०-१ है, कृष्णा नगर, दिल्ली में निम्नलिखित प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: प्लाट नं० ए०-1/7, बी० का कुछ बना हिस्सा
पश्चिम	: प्लाट नं० ए० 1/6 बना हुआ
उत्तर	: रोड
दक्षिण	: रोड

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली मार्ग, नई विल्ली

नई विल्ली-1, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निवेश सं० आई० ५० सी०/एक्य०/११/१२८८/७७-७८/४३४२—अतः मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- से में अधिक है,

और जिसकी सं० 7255 है तथा जो रोशनशारा एक्सटेशन स्कीम दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 7 अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० जी० एम० सी० हिमको इन्डस्ट्रीस लिं०, रजिस्टर्ड अफिस मै० टीन प्रिन्टींग विलिंग नं० 7259, रोशनशारा एक्स-टेशन स्कीम, दिल्ली-1, इनके डायरेक्टर श्री० दिनेश श्रींग के द्वारा, निवासी डब्लू-37, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्री सत पाल महेन्द्र, यशापाल महेन्द्र, अजीन्द्र अनाम अजीन्द्र पाल महेन्द्र, सभी सुपुत्र श्री जग विमाया महेन्द्र, निवासी सी-26, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका मूल्यसिपल नं० 7255 है तथा क्षेत्रफल 562 वर्ग गज है, रोशनशारा एक्सटेशन स्कीम, विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: मन्दिर
पश्चिम	: 40' चौड़ी सड़क
उत्तर	: जी. टी० रोड
दक्षिण	: शक्ति मन्दिर

ए० एल० सू०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1,

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1977निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/111/1321/77-78/
4343—श्रत मुझे, ए० ए० सूद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी मं० 2/76 है तथा जो तेहार नं० 1 मुभाय नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 24 अप्रैल 1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) प्रसरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अधिकार के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हे सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री राम लाल साहनी, सुपुत्र श्री संत राम साहनी, निवासी
बी०-23; डिफैन्स कॉलौनी, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- श्री रजीन्द्र कुमार मलहोत्रा, सुपुत्र श्री मस्तान चन्द्र
मलहोत्रा, निवासी नं० 11, महाबीर नगर नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जिसका नं० 2/76, तेहार नं० 1
है, मुभाय नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: लेन
पश्चिम	: माला बरादाह
उत्तर	: सरकारी बनी जायदाद
दक्षिण	: सरकारी बनी जायदाद ।

ए० एल० सूद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-III दिल्ली-1

14/14, क, आसप्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ III /एस० आर०-III/मई०/654(II)/77-78/4343—अत्. मुझे, ए० एल० सूद, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पास्त्रात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-बी० /10 है तथा जो नार्थन एक्सटेंशन एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-1977.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती दमयन्ती गानी चड्डा, पत्नी श्री० महाराजा ब्रह्मा चड्डा, निवासी 6-बी०/10, नार्थन एक्सटेंशन एरिया, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2 श्री/ शेखर चन्द जैन, सुपुत्र श्री कपूर चन्द जैन
(2) श्रीमती शकुन्तला देवी जैन, पत्नी श्री शेखर चन्द जैन
(3) श्री अनिल कुमार जैन, सुपुत्र श्री शेखर चन्द जैन
(4) श्री अमण कुमार जैन, सुपुत्र श्री शेखर चन्द जैन, निवासी 4423, गलो अडिरण, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-110006. (अन्तरिती)

3 श्री/ आर० एल० अद्विजा तथा बी० बी० बालिया (वह व्यक्ति जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध के श्रजन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के श्रजन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वाक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक द्वाई संजिला मकान जोकि 737.44 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 10-बी० ल्लाक नं० 6 है, नार्थन एक्सटेंशन एरिया, नई दिल्ली मे निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: रोड
पश्चिम	: बंगला न० 6-बी०/9
उत्तर	: रोड
दक्षिण	: रोड

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 26 नवम्बर, 1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निदेश नं० 503 ए० / अर्जन/ देहरादून/ 7778 5291:—
अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/1 गुरु रोड़ है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1977 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पग्गह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्म सिंह पुन्न हरनाम सिंह निवासी 2/1 गुरु रोड़ देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार नेजा सिंह पुन्न सरदार लाल सिंह जि० मजरा, मनेजर पंजाब सिन्ध बैक मजरा, तहसील एवं जिला देहरादून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 2/1 गुरु रोड़ देहरादून का भाग 45,000 के विकाप मूल्य में बेचो गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख 28-11-77

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिसम्बर 28 नवम्बर, 1977

निदेश नं० 5629/ अर्जन/ मु० नगर/ 7778/ 5295—
अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है और जिसकी

सं० 53 द्वारिका पुरी है तथा जो म० नगर मे
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मु० नगर, मे, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-5-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्य उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-376GI/77

(1) श्री तेजराज मिह गोपल पुत्र अनूप मिह एव शानानु
गोपल पुत्र तेज मिह गोपल निवासी के० ए० च० ९७
न्यु कविनगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री गज कुमार पुत्र गोपी चन एव गाजीब कुमार
पुत्र प्रेम कुमार निवासी १८३, मिशिल लाइन्स, भौपा
रोड मुजफ्फर नगर

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे भास्तव्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशी के पास
निवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों शा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० ५३ द्वारिकापुरी जिला मुजफ्फर
नगर का आधा धारा 40750 रु० के विक्रय मूल्य मे बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
तारीख : 28-11-77
मोहर ।

प्रस्तुत प्राइंट टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रामन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

निदेश न० 6869/ ग्रामन/ मु० नगर /7778/ 5293 —
ग्रन, मुम्भे, आरा० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मवाना मे स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुमूल्यी मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरी) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वे किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्स मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्राम प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिंगाने मे सुविधा के लिए;

अन: ग्रन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के मनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोगतः—

(1) श्री यतेन्द्र राव पुत्र रणधीर सिंह, ग्राम राजपुर कला जान गढ़ वर्तमान पता नहीं मन्डी मुजफ्फरनगर।
(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह पुत्र नन सिंह एवं राम पाल सिंह पुत्र राम सिंह एवं श्रीकार सिंह पुत्र नन सिंह निवासी ग्राम बटाबली पोस्ट बहगुणा जिला भेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रन के संबंध मे कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही पर्य होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुमूल्यी

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6 बीघा 11 विस्वासी अमृत ग्राम बटोली तहसील मवाना, हस्तिनापुर जिला भेरठ 40,000) रु० के विक्रय मूल्य मे बेची गयी।

ग्राम पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रामन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विजय के० बन्सल 3, हन्दर रोड, देहरादून ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री प्रवीप कुमार शारदा एवं सदीप कुमार शारदा
धारा श्रीमती स्नेहलता शारदा 3, हन्दर रोड देहरादून
(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1977

निदेश न० 7049/ अर्जन/ देहरादून/ 7778/ 5296 —
ग्रातः, मुझे, आर० पी० भागव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3, हन्दर रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

अनुसूची

एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति अवधि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखण्ड में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत्:—

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3, हन्दर रोड, देहरादून का भाग 18,000) रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भागव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-77।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश नं० 6729/ अर्जन/सहारनपुर/7778/ 5289—
अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० तथा जो हरिद्वार में स्थित है (और
इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-77।
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजकुमारी विधवा आनन्द स्वामी, स्वतंत्र
कुटीर, ज्वाला पुर रोड़ पोस्ट अफिस, कनखल,
सहारनपुर। (अन्तरक)

2. श्री सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्यारे सिंह निवासी
निर्मला छावदारी हरिद्वार, सहारनपुर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राष्टेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

श्रावन मध्यस्थि ल्लाट 15,000 वर्ग फुट स्थित कनखला
हरिद्वार रोड़, हरिद्वार जिला, सहारनपुर 24,000/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 28-11-77

मोहर :

प्रत्येक धारा 10 दी. 10 एन. 10 एम. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश नं. 440 ए०/ अर्जन/ मेरठ/ 7778/ 5294.—
श्रीमत, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 49 ए० सांकेत है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अविक्षयों परात् :—

1. श्री कैनाथ नाथ मिन्हा पुत्र स्वर्गीय श्री गोपी नाथ मिन्हा निवासी 50 सांकेत मेरठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती मन्द्या जन पत्नी मोहिन कुमार जैन निवासी 49 ए०, सांकेत मेरठ

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए संकेतों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं. 49 ए सांकेत मेरठ का 1/2 भाग 60,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राइ. टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 77निदेश नं० 561 ए०/ अर्जन/ गा० बा०/ 77-78/ 5290 —
भ्रत मुझे आर० पी० भार्गवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 53 द्वारिका पुरी है तथा जो मु० नगर
में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और दूरी रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मु० नगर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-5-1977।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में नहिं नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनांकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;धरत: ध्येय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री तेजराज सिंह गोयल पुत्र अनूष सिंह एवं हिमोतु
गोयल पुत्र तेजराज सिंह गोयल निवासी के० एच०
97 न्यू कवि नगर गांधीजी
(अन्तरक)(2) श्री सुरेन्द्र कुमार एवं धर्मपाल पुत्र गणेश कुमार
निवासी 183 सिविल लाइन्स मोपा रोड मु० नगर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तर्ल सम्पत्ति अकाल नं० 53 द्वारिकापुरी जिला मुजफ्फर-
नगर का 1/2 भाग 40750/- के विकाय मूल्य में बेची गयी।प्रार० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री धर्म सिंह पुन देहरादून सिंह निवासी 2/1 गुरु रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री तिलोक चन्द गर्ग पुन मिठून लाल गर्ग निवासी 2/1 गुरु रोड देहरादून।

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश नं० 504 ए०/ अर्जन/ देहरादून/ 7778/5235 —

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1084 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्राहित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; 'या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 2/1 गुरु रोड देहरादून 45,650/- के बिन्द्य मूल्य में बेची गयी।

प्रार० पी० भार्गव
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

यह ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निवेश न० 715 ए० / अर्जन / मेरठ / 7778/5302 —
अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मेरठ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-
5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अर्जीन प्रसाद जैन पुत्र जै० पी० जैन निवासी
किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार चन्द जैन निवासी
किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट न० 124, 600 वर्ग गज स्थित किशन
फ्लावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड मेरठ 22,200/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-11-1977
मोहर।

प्रकृष्ट प्राप्ति २० एवं १० एवं ५—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, वित्तांक 30 नवम्बर 1977

निवेदण नं 714 एवं अर्जन/मेरठ / 7778/ 5302—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे दबाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दबाने या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-376GI/77

(1) श्रीमती गुनमाला जैन पत्नी भर्जीत प्रसाद जैन निवासी किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ (अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार चन्द जैन निवासी निवासी किशन फ्लावर मिल्स रेलवे रोड मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिकायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति प्लाट न० 124, 565 वर्गगज स्थित किशन फ्लावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड मेरठ 20905 रु. के विक्रय मूल्य में बेची गयी)।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रकृष्ट आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 77

निवेश नं० 716 ए०/ प्रर्जन / भेरठ/ 7778 /5301 —
 अतः मुझे आर० पी० भार्गव,
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा० के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भेरठ में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-
 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, लिपने में
 सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनुमरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्थात् :—

(1) श्री सजय कुमार जैन पुत्र प्रजीत प्रसाद जैन निवासी
 किशन पलावर मिल्स रेलवे रोड भेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रजय कुमार जैन पुत्र सुकुमार अन्द जैन निवासी
 किशन पलावर मिल्स रेलवे रोड भेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तक्षमन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति प्लाट नं० 124, 600 वर्गमील स्थित किशन
 पलावर मिल्स कम्पाउण्ड रेलवे रोड भेरठ 22200/- के विक्रय
 मूल्य में बेची गयी।

श्रार० पी० भार्गव
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 प्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती के० बासवीं, पालकोल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ० (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० बेंकट विजयलक्ष्मी बालकोल

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 518 —यत मुझे वि० वि०
सुन्नाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० 122 है, जो काली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पेनुगोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, काली 30-4-
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
नुविधा के लिए; श्रीर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में नुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ० की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रर्थतः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पेनुगोड रजिस्ट्री अधिकारी से पाश्चिक प्रत 30-4-77 में
पंजीकृत वस्तावेज नं० 544/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

वि० वि० सुन्नाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख - 28-11-77

मोहर ।

प्रकप घाई० टी० एम० एस०—

(1) श्री वी० कोदडिरामन्ना, वरापट्टनम् ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० वी० सत्यनारायणमूर्ति मंत्रालय

(अन्तरिती)

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 517—यतः, मुझे वी० वी० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 226/1, 226/2, 224/6, और 227/1/ए है, जो वरापट्टनम् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैकलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विधा के लिए;

यतः यद्युपर्यन्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अविस्मयों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैकलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन् 15-4-77 में पजीकूत दस्तावेज नं० 1554/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वी० वी० सुब्बाराव
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज, काकिनाडा
काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निवास स० आर० ए० भी० न० 515 :—यत्, मुझे
भी० वी० सुब्बाराव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसको स० 31-3-2 है, जो माहित नगर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-4-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से व.म के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तिया
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवतिः—

(1) श्रीमती वी० वेकट रम्भा, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० त्रिपुराब, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भवध में कोई भी ग्राहकीय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें पूरुष शब्दों और वों का, जो उक्त
अधिनियम के मध्यात्र 20रु में परिभासित
हैं, वहीं प्रथा होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी ने पांचिक अत 15-4-77
में पजीकूत दस्तावेज न० 641/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

वी० वी० सुब्बाराव
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 514 :—यत् मुझे
विद० विद० सुन्नाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
स प्रधिक है

और जिसकी सं० 2-122 है, जो पिटापुरम में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और बनारक (अन्तरक) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिकी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

लेतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैसर्ज एम० चिन वीरबद्राव एण्ड सन्स (1) एम०
चिन० वीरबद्राव (2) एम० सोमराजु (3) एम०
वीराजु (4) एम० वीरबद्र सतीप कुमार, पेटापुरम
(अन्तरक)

2. मैसर्ज चेक्का थेक्ट सुब्रहमनयम एण्ड अदर्स (1) सी०
एच० बुच्चीराजु, (2) सी० एच० थेक्टसुब्रहमनयम
(3) सी० एच० वीर थेक्टसत्यकृष्णन सोबनाद्रीराव
(4) सी० एच० चक्रधरराव (5) सी० एच०
रामकृष्णप्रसाद पिटापुरम।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर^{पर} ग्रन्थना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसन्धान

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ग्रंथ 15-4-77
में पजीकृत दस्तावेज नं० 1098/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति
मशीनरी और कर्नीचर के साथ।

वी० बी० सुन्नाराव
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० प्रा० ए० सी० नं० 516 —यतः, मुझे वि० वि० सुब्बाराव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसको स० 222/1 सी०, 222/2, 222/3, 225/3 और 227/1ए० है, जो वरहापटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंकलूँ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी ग्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधानतः—

(1) श्री वि० कोदंडरामच्चा, वराहपटनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री सि० वि० वि० सत्यनारायण मूर्ति, मद्रास

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कैकलूर रिजिस्ट्री अधिकारी से पाकिंग अत 15-4-77 में पजीकूत दस्तावेज न० 1546/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

वि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 28-11-1977

मोहर :

पहले श्राई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 519--अतः, मुझे वि० वि० सुन्दाराच,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन भक्षण प्राधिकारी वो यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 106, 108 और 122 है, जो रामशपालम बड़ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेनुगोडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1977।

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरती (अन्तर्नियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्यमान के लिए और/या

(1) श्रीमती के० वासवाच, पालकोला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० गतनमानिकाम, विजयवाड़ा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीर से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वक्ती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेनुगोडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अन 30-4-77 से पकूजीत इम्तायेज न० 543/77 में निगमित अनुसूची सपत्ति।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तित्वों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुंब्रा के लिए

वि० वि० सुन्दाराच,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज काकिनाडा।तारीख : 28-11-1977
मोहर।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधारणाएँ, अर्थात्—

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मिठा लाल राका निवासी 4/7, राज मोहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर, 77

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल 77-78/ 898:—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
2-376GI/77

(2) श्रीमती सरला देवी जैन द्वारा मैसर्ज पन्ना लाल बेनी राम जी चौधरी, 211, एम० जी० रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 13, स्थित ज्वाय बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज भोपालतारीख : 21-11-77
मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० मी० ए० क्वी० / भोपाल 77-78/ 899—
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' भी हो गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी म० सकारा है, जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कार्यालय के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-77।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री हीरालाल पुत्र श्री केदार शंकर (2) श्री नरपत पुत्र श्री दाऊलाल (3) श्री प्रीतम लाल पुत्र श्री धीरज लाल (4) श्री स्वामी जी परमानंदजी (5) श्री नन्द किशोर पुत्र श्री किशन लाल (6) श्री अम्बलाल पुत्र श्री नाथू लाल (7) श्री गोविन्द लाल पुत्र श्री हाथलाल (8) श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री कल्जीलाल (9) हिमत लाल पुत्र श्री माणकलाल (10) श्री श्री लतिज किशोर पुत्र श्री किशन लाल (11) श्री नवनीत लाल पुत्र श्री नाथूलाल जानि नागर नाम्यन सभी निवासी वांसवाडा राजस्थान

(अन्तरक)

2. दा० कलोथ मर्चेन्ट एसोशिएशन बजाजखाना रत्नाम द्वारा
(1) श्री कलीर बन्द पुत्र श्री रघुव बन्द, (2) श्री निहाल बन्द पुत्र श्री जडान बन्द (3) श्री समरथ मल पुत्र श्री केशरीमल (4) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र श्री विजय सिंह (2) श्री मुजान मल पुत्र श्री नाद मल चडौदिरा सभी निवासी बजाजखाना रत्नाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायकर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

डाई मजिला मकान स्थित बजाजखाना रत्नाम ।
(एक्सिया 9.84 मीटर \times 24-40 मीटर भाग)।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश स० आई० ए० सी० एक्सी० / भोपाल 77-78/ 900—
अतः, मुझे रा० कु० बालीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
प्रौर्ध जिन्होंने मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
ग्रन्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथात्:—1. श्री श्रीधर गोपाल राव खार अवकाश प्राप्त मैत्र
तिवामी 24, यशवत कालौनी, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री कमल कुमार पुत्र श्री दीप चन्द जी ओसवाल
द्वारा मैसंस कमल ग्राम्य भड़ार, गज बासौदा
विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोरस्तान्धरी के पास लिखित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 30-क में परिचापित हैं, वही
प्रयृष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला मकान क्रमांक 157 स्थित रवीन्द्र नाथ मार्ग,
इन्दौर।रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
901—अतः, मुझे रा० कु० बाली,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक हैप्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (प्रौर इससे
उपावद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम',
याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्रीमती राजकौर पत्नि श्री सुन्दर सिंह जी सिंह
निवासी मडी रोड, वेवास
(प्रत्यक्ष)
2. श्री गिरधारी लाल अग्रवाल पूत्र श्री बाबू लाल जी
अग्रवाल निवासी 11, सीता बिल्डिंग, यशवंत निवास
रोड, इन्दौर
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमुसूची

खुला प्लाट न० 7 ए० स्थित श्री नगर एक्टेन्शन एनेस्टी
कालोनी, इन्दौर।रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त्र क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1977,

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल 77-78/802—
घरा०: मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स हैं, जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-77 को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घरा०: धरा०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:—

1. ग्रल्प आय समुदाय गृह निर्माण सहकारी संस्था
मर्यादित 3/1, लोधी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. डाक कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था लि०
1, बल्लभनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितवद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयृं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं० 62 से 68 तक, 70 से 73 तक, 76 से 79 तक, 99 से 114 तक व प्लाट्स नं० 69, 74, 75 व 80 सभी स्थित सेक्टर नं० II बैशाली नगर, अपोर्णा रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, भोपाल

तरीख: 21-11-77

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी० एन० एस०—

1. मानव कलामण मूह संस्था लि०, 195, जवाहर
नगर, इन्दौर।

(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन अधीक्षण, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 नवम्बर 1977।

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/903
—अतः सुमेर, रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी स० प्लाटन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकूल अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-5-77
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और सुमेर यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. डाक कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था लि०, 4,
बल्लभ नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15 से 30 तक, 32 से 40 तक, 42 से 46 तक,
48 से 56 तक, 58 से 61 तक, 82 से 85 तक, 88 से 91
तक, 93 से 98 तक, 115 से 136 तक प्लाट नं० 31, 41,
47, 57, 81, 87 व 92 भी स्थित बैशाली नगर, प्रभापूर्णा
रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-11-77

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश मं० आई० ए० मी० एक्वी०/भोपाल/77-78/904
—अत, मुझे रा० कु० बालीप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा० गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैश्रीर. जिसकी म० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर.
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक
(भन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रभावरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही०
फिर गया है:—(क) अन्तरण पे दूर्हि किसी आद की वाचत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
वाचिक में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या मन्त्र आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,प्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षिया, अर्थात्:—1. श्री मातो लाल शाह पुत्र श्री गौरम भाई शाह द्वारा
पावर आफ एटर्नी श्री अनिल कुमार पानामन्द शाह
निवासी 3, यशवन्त कालोनी, यशवन्त निवास
रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री धासी राम (2) श्री बामोदार (3) श्री
मुकुटलाल (4) श्री मुगरीलाल मधी पुत्र श्री बुजलाल
(5) श्री मांगी लाल (6) श्री श्रीराम (7) राम
प्रमाद मधी पुत्र श्री नारायण जी मधी निवासी
76, ममोरी दुपे बल्नभनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मामले के अधिन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
उद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास प्रिविन में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 185 व 187/2 कुल क्षेत्रफल
20.413 हेक्टेयर साथ में कुआ व मोटर पम्प स्थित ग्राम
बिचोली भद्रना तह० इन्दौर।रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज भोपाल

तारीख: 1-12-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश स० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-77-78/905—
अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी स० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269 प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, :— अर्थात्

1. (1) श्रीमती संतोक बेन प-नी श्री पानानन्द शाह
(2) श्री मनीष कुमार (3) कु० राधिका मधी
द्वारा पावर आक ऐटनी श्री—अनिल कुमार पुन्न
श्री पानानन्द निवासी 3, यशवन्त कालीनी,
यशवन्त निवास रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

2 (1) श्री घासीराम (2) श्री वामोदर (3) श्री
मुकुटलाल (4) श्री मुरारीलाल सभी पुन्न श्री ब्रज
लाल (5) श्री भांगीलाल (6) श्री श्रीराम (7)
श्री राम प्रसाद सभी पुन्न श्री नारायण सभी निवासी
96, ममोरी दुबे पोस्ट बलुम नगर, इन्दौर।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मर्वे न० 187/1 व 194 कुल क्षेत्रफल 92 201 हेक्टेयर स्थित ग्राम बिचौली मर्दाना तह० इन्दौर।

रा० कु० बाली

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-12-77

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्ट्री/भोपाल 77-78/906
—अतः, मुझे रा० कु० बाली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी स० प्लाट है, जो बिलासपुर में स्थित है, (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट मही किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—
७-37601/77

1. श्री हायाद्रिम भाई पुत्र श्री मूसाजी बोहरा निवासी
सरप्रबाजार, बिलासपुर।

(अन्तरक)

2 श्री हकीमुद्दीन पुत्र श्री दाउदभाई बोहरा निवासी
खापर गज, बिलासपुर।

(अन्तरिक्षीय)

3 सौराष्ट्र गढ़ एण्ड आयलमिल, बिलासपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट शीट न० 35 प्लाट न० 7 स्थित बिलासपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राविकारी,
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 1-12-77

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन सेवा, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसंबर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/907—
आत, मुझे या० कु० बालीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० गोदाउन है, जो दमोह में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दमोह में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-4-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;[प्रति; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
इपश्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जुन—1. नन्द लाल पुत्र श्री खेमचन्द जैन मार्गज न० 2, दमोह।
(अन्तरक)2 (1) श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री प्रेम चन्द
(2) श्री अवतार मिह (3) पुत्र श्री गोविन्द राम
(3) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री केशर चन्द पुत्र श्री भुरा
प्रमाद खानुजा, सभी निवासी असाठी वार्ड न० 2,
दमोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

गौदाम स्थित मोहल्ला मांग गंज न० 3, एच० बी०
356, दमोह।रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 1-12-77

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० ए० पी० 1729—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई—1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लक्ष्यारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री चुनी लाल मसन्द पुत्र श्री डल्लू० सी० मसन्द,
3-माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरीन्द्र कौर, 44-माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्न है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर रुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख न० 562 मई-77 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कार्यालय, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश नं० ए० सी०-1730—यतः बी० एम० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो विजय नगर, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य है प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरको) और प्रत्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रीर, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री भवानी दत्त सहगल पुत्र श्री तुलसी राम सहगल मार्फत नकोदर इन्डस्ट्रीज, मकसूदा तहसील तथा जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सत पाल पुत्र श्री किशोरी लाल 76-77, विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरकी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सच्चाईकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 1380 जून-77 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्रह्लाद प्राईंट टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय
जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निवेश नं० ए० पी० 1731—यत् मुझे बी० एम० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शिव नगर, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. छत्तर मिह पुत्र श्री लखन मिह वकील 385—लाजपत नगर, जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री अमर जीत मिह पुत्र श्री प्रेम मिह नं० 32, शिव नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

4. जो अवित सम्पत्ति में सूचित रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी अधेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रषित है, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 1355 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 30-11-77
मोहर .

प्रलेप श्राई० टो० ए०० ए००—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कार्यालय जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निरेश नं० ए० पी० 1732—यत बी० ए०० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो बस्ती शेरू रोड, जालन्धर में स्थित है (प्रौर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आविष्टि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-संरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्रीमतो विद्या वन्ती विधवा कुन्दन लाल पुत्र श्री गगा राम, बस्ती शेरू रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री राम चन्द्र पुत्र श्री ठाकुर दाम मार्फत बैन्ड ब्याए ड्राई कलीनर्ज नं० 239 बस्ती शेरू रोड, जालन्धर।
- (3) जैमा कि ऊपर नं० 2 मे है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धर का स्त्रीमा जैमा कि विलेख नं० 367 अप्रैल 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

बी० ए०० दाहिया
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 30-11-77

मोस्ट:

प्रस्तुप धार्षा० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निदेश ० ए० पी० 17433—यतः मुझे बी० एस० दाहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ब्रीज नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1 श्री वरदाम मिह पुत्र श्री मन्त्र राम निवासी मुहूला गाजी गुला, जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री मुभ करण न० एन० जी० 24, मुहूला ब्रीज नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० २ में है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर जैसा कि विलेख न० 255 अप्रैल 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री परिमल चन्द्र दे

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 29 नवम्बर 1977

निर्देश सं 57/77-78/आईएसी(ग/आर)/बीबीएसआर—
अन्त मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट ५७६, ५७७ है, जो अनुगोल मे० स्थित
है (और इसमे० उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप मे० वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनुगोल मे० भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269८ की उपस्था

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त :—

(2) श्री दुर्गा प्रसाद राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे०
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मे० हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्लोडसाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

इच्छीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-क मे० व्यापारि-
भाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
मे० दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और स्थित मौजा अनुगोल, जिला छेकानाल मे०
स्थित है । वह जमीन अनुगोल सब-रजिस्टर आफिस मे० 2-3-77
तारीख मे० रजिस्टर हुआ; जिसके डाक्युमेंट नं० 1094 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भुवनेश्वर ।

तारीख : 29-11-77

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एम० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर
भुवनेश्वर, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 58/77-78/आई०-ए० सी० (ए०/आर०)/
बी० बी० एस० आर०—अतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
श्रीर जिभकी सं० है, जो खेतरानपुर मे स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबलपुर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से बहुत किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

8—376G.I/77

1. (1) नन्द किशोर पोदर (2) किळ गोपाल
पोदर (3) दिनेश चन्द्र पोदर
(अन्तरक)

(2) दिल्ली मा मिल
वकिल मारफतदार, रत्नसि भाग्नि पटेल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द 'और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है,
वही मर्य होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मनुषी

स्थित जमीन खेतरानपुर मोजा, सबलपुर जिला मे स्थित
है। वह जमीन सम्बलपुर सब-रजिस्टर अफिस मे 14-3-77
तारीख मे रजिस्टर हुआ; जिसके डाक्युमेंट नं० 446 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भुवनेश्वर।

तारीख : 2-12-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश म० ए० भी० 23/आर-II/कल०/77-78—अतः
मुझे, आर० बी० लालमौया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एस०
से अधिक है

और जिसकी स० 23ए/552 है तथा जो डायमन्ड हारबार
रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट
रजिस्ट्रार, 24 परगनाम, अलिपुर म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अतः अन्तरक (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या भव्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, घर्तु :—

(1) सर्वे श्री (1) लाल मिह (2) मपुरन मिह और सुबरन
सिह (3) भजन कौर (4) मिमार मिह (5)
मुक्तार कौर (6) बलबिर कौर, नं० 25, पट्टपुकुर
रोड, कलकत्ता-20
(अन्तरक)

(2) अलोक नाथ मुखर्जी (2) उमा मुन्दरि देवी (3)
मन्जीब मुखर्जी (4) विपलवि अनुकला चन्द्र
स्ट्रीट, कलकत्ता-72
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क म परिभाषित
है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

2 1/2 काठा ब्लाट न० 552 ब्लाक 'एन', निउ अलिपुर
प्रेमिसेस न० 23ए/552, डायमन्ड हारबार रोड, बी० एस०
अलिपुर, जिला-24 परगना ।

आर० बी० लालमौया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्ता-16 ।

तारीख : 28-11-77

मोहर

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269ष(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ग० सी० 22/आर-II/कल 77-78—अत. मुसे,
आर० सी० लालमौया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए/ 552 है तथा जो डायमन्ड हारबार
एंड पी० एस० आलिपुर डि० 24 परगनास में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
प्रधिकारी के कार्यालय सब्र रजिस्ट्रार आलिपुर सदर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन
तारीख 22-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नव सिंह (2) सापुरन सिंह, और सावुरन सिंह, (3) भजन कौर, (4) सीमार सिंह (5) मुक्तर कौर, (6) बलबीर कौर, 25 पदमपुकुर रोड, कलकत्ता-20। (अन्तरक)

(2) (1) अलोक नाथ मुखर्जी, (2) उमा सुन्दरी देवी, (3) सर्जीब मुखर्जी, 41, विज्ञवी अनुकुल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-72। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23ए/ 552, डायमन्ड हारबार रोड, पी० एस० आलिपुर,
छि० 24-परगनास में बलाक "एन" प्लाट नं० 552 में अद्वाई कटा आलि जमीन है (2 1/2 कटा) है।

आर० सी० लालमौया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्ता-16।

तारीख: 28-11-77

मोहर:

प्रकृपा प्राई. टी. एम. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

(1) सर्व श्री (1) लाभ सिंह (2) सपुरज सिंह और सबुरन सिंह (3) भजन कौर (4) सिमार सिंह (5) मुकतार कौर (6) बलबीर कौर 25, पद्मपुकुर रोड, कलकत्ता-20
(अन्तरक)

(2) (1) अलोक नाथ मुखार्जी (2) उमा सुन्दर देवी (3) सनजीव मुखार्जी, 41 विप्लव अनुकूल अन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-72।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1977

निर्देश सं. ए० सी० 24/भार-II/कल/ 77-78—अत मुझे, आर० सी० लालमौया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 23ए/ 552 है तथा जो डायमन्ड हारबार रोड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार-24 परगनास, आलिपुर भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 25-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269 व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 काठा जमीन प्लाट नं. 552, ब्लाक 'एन' निउ आलिपुर—प्रेमिसेस नं. 23ए/ 552, डायमन्ड हारबार रोड, पी० एस० आलिपुर-24 परगनास।

आर० सी० लालमौया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 28-11-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निदेश सं० बी० जी० आर० (डी०एल०आई०) 32/76-77—अत', मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भकान न० : सी-9, एन० एच० न० १ है तथा
जो नेहरू ग्राउन्ड एन० आई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है (और
इससे उपार्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-अ की उपलब्धा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यो, सम्पत्ति:—

(1) श्री तारा चन्द } पुत्र श्री जोदा राम
श्री बास देव }
3-जी-10 एन० आई० टी०, फरीदाबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास, शर्न कुमार, रामलाल
पुत्र श्री साधू राम, भकान न० सी-9, नेहरू ग्राउन्ड,
एन० एच० न० १ एन० आई० टी०, फरीदाबाद
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
मर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भकान न० : सी-9 जो कि 400 वर्ग गज है और नेहरू
ग्राउन्ड एन० एच० 1, एन० आई० टी०, पर स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री न० 8423 में दी है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 14-3-1977 को
कराई गई है।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर, 1977

निदश सं० बी० जी० आर० (डी०एल०आई०) / 26/76-77—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो एन० एच० आई०, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) मैसर्ज भारत के बिन और रिव्वन मैन्यूफैक्चरिंग कं० लिं०: रजिं०: दफ्तर एन-75, कश्टाट सरकार, नई देहली ।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री बश राज चंडालिया पुस्त्र श्री मल चन्द्र अन्डालिया मारफत ईस्ट इंडिया काटन क० लिं०० एन० आई० टी० फरीदाबाद ।

(ii) श्री हरबेस लाल भटनिया पुस्त्र श्री लदा मल भटनिया मारफत सोडी ट्रान्सपोर्ट, मथुरा रोड, फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थाटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० : 8 जिसका रकबा 1200 वर्ग गज है और जो रेलवे रोड पर बाटा चौक और नीलम सिनेमा पर स्थित है ।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री नं० : 8695, जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 31-3-1977 को कराई गई, में दी गई है ।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एस० आर० एस०/ 7/77-78—ग्रत मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा दुकान नं० : 76, नई मंडी,
सिरसा है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सिरसा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के मन्त्रके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री छगन लाल पुढ़ श्री कलू गम निवासी अबोहर।
(अन्तरक)

(2) श्री गोरी शकर पुढ़ श्री त्रिलोक घन्द, दुकान नं०
76, नई मंडी, सिरसा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुकान नं० : 76, नई मंडी, सिरसा।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय के
रजिस्टर क्रमांक नं० : 537 मास अप्रैल में दिखाई है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

मोहर : 30-11-77

तारीख

प्रूप प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० एस० आर० एम०/26/77-78—रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा दुकान नं० 76, नई मंडी सिरसा है तथा जो भिरमा मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिरमा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात्:—

(1) श्री छग्न लाल पुत्र श्री कालू राम, निवासी अबोहर। (अन्तरक)

(2) श्री हीरा लाल कर्ता, मै० चेत राम रामसुख दास, दुकान नं० 76, नई मंडी, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क मे० धना-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस प्रध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुकान नं० 76, नई मंडी, सिरसा।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता, सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 542 मास अप्रैल, 77 पर दर्ज है।)

रवीन्द्रकुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 30-11-77

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० एस० आर० एम०/10/77-78—अस: मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाइचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० : 181/बी-१ जिसका रकबा 200
वर्गगज है तथा जो नई मंडी सिरसा में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) देसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिम्में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
मार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

9 —376GI/77

(1) श्री लाल कुल पुत्र श्री पंजाब राय प्लाट नं०
180—बी० ड्लाक नई मंडी, सिरसा।

(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल मकड़ पुत्र श्री नियामत राम निवासी
काशिलका

(मस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सबधी अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भ हितबद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० : 181/बी०-१ नई मंडी सिरसा और जिसका
रकबा 1800 वर्ग फुट है।(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 1270, मास मई, 1977 में दिखाई गई है)।रवीन्द्र कुमार पठानिया
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ३० दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० सी०एच०डी०/ 23 77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 495/20-ए, चंडीगढ़ है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़, मेर रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या निमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिंगने में सुविधा के लिए;

प्रत पा, उक्त अधिनियम तो धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवक्ता :—

(1) श्री गुरदियाल चन्द्र भसीन पुत्र श्री जीवन दास भसीन, 1162/21-बी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गनपत राय शर्मा पुत्र श्री शंकर दास शर्मा (2) श्रीमती मुकता शर्मा पत्नी श्री गनपत राम 89, फ्लोक रोड, फीरोजपुर छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिप्रति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एव्यक्तिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादित होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला रिहायशी मकान नं० : 495, सेक्टर, 20-ए, चंडीगढ़ और जिसका रकबा 254.05 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 160, मास मई, 1977 पर दिखाई गई है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/38/77-78—अस्त: मुझे रखीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1218/19-बी, चंडीगढ़, है तथा जो चंडीगढ़, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के कुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या -

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्.—

(1) कुमारी पूनम, सगारी पुत्री श्री जे० एम० सगारी 412/22-ए, चंडीगढ़

(अन्तरक)

(2) (i) श्री तरलोक सिंह पुत्र श्री नानक । सह
(ii) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री नानक सिंह मार्कत श्री गुरदियाल सिंह 2437/19-सी, चंडीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) (i) श्री बी० एस० बिन्द्रा, एम० डी० ओ०/ एम० ई० एस०

(ii) श्री वासदेव छावड़ा, शिक्षा विभाग, हरियाणा

(iii) श्री जे० पी० गुप्ता, परिवहन मन्त्रालय

(iv) श्री अमृत कुमार महता

मोडेल बूलन

(वह व्यति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्गत्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में यथा परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला रिहायशी मकान नं० 1218, सेक्टर 19-बी०, चंडीगढ़ और जिसका कुल रक्का 275 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जिसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 367 मास जन, 1977 पर दिखाई गई है।

रखीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977
मोहर .

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/41/77-78—अतः, मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान न० 99/8-ए, चंडीगढ़
है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269 के
धन-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 अं को
उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, स्वर्गतः:—

(1) श्रीमती गुरवीप कौर, पत्नी मेजर, जन० मोहिनी सिंह
305/33-ए, चंडीगढ़
(अन्तरक)

(2) लैफ० जन० सरताज सिंह पुत्र श्री कैप्टन फौजदार
सिंह निवासी 80/5, चंडीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान न० 99, मैक्टर 8ए, चंडीगढ़।
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ट चंडीगढ़ के कार्यालय के
रजिस्ट्रार अमाक 449, माम जुलाई में दर्ज है।)रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, रोहतक,

रोहतक, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० एस० आर० एस०/11/77-78—अतः मुझे रखीन्द्रकुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० कृषि भूमि जिसका रकबा 117 कनाल 12 मरले हैं तथा जो ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री नन्द सिंह जंग सिंह, मदन सिंह तथा श्रीमती जय कौर ग्राम पोहारका, तहसील व जिला सिरसा (अन्तरक)

(2) (i) श्री भाग सिंह पुत्र श्री लाल सिंह
(ii) सर्वश्री साधू सिंह, सुखविंद्र सिंह, गुरतेज सिंह पुत्रान श्री भाग सिंह
ग्राम गिरजे बाला (मुक्तसर) पंजाब।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 117 कनाल 12 मरले हैं और जोकि ग्राम पोहारका में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री अमाक नं०: 2733 भास जुलाई, 1977 में लिखा है।)

रखीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-11-1977

मोहर:

प्रकृत्या आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, विमांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० एस० आर० एस०/ 12/ 77-78—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० कुपि भूमि जिसका रकबा 98 कनाल है तथा
जो ग्राम नजोड़लां कला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चलेक्षण से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के विविध में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —(1) सर्वश्री दर्शम सिंह, लखबीर सिंह, प्रमरीक सिंह
पुवान श्री प्रीतम सिंह, ग्राम नजोड़लां कलां,
तहसील सिरसा

(प्रत्यक्ष)

(2) सर्वश्री सुरिन्दर पाल, विपिन कुमार, पवन कुमार,
पुवान श्री लक्ष्मी राम, मंडी कालावाली, तहसील
सिरसा

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्ष के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि जिसका रकबा 98 कनाल है और जोकि

खसरा नं० .	162	163
1 से 12,	1/1	
96-00	2-00	

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 2799 मास जुलाई, 1977 पर दिखाई गई है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 30-11-1977

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निवेश सं० बी० जी० आर० (डी० एल० आई०) 25/
 76-77—प्रत: मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

मैं आयकर जिसकी फैसली प्लाट नं० 112 इमारत के साथ है तथा जो
 सेक्टर नं० 6 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977
 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
 का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
 रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
 के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
 उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थि:—

(1) मैसर्ज सिवाना हंजीनियरिंग वर्क्स, एन० आई० टी०
 फरीदाबाद।
 (अन्तरक)

(2) मैसर्ज कलच आटो (प्रा०) लि०, एन० आई० टी०
 फरीदाबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
 की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

फैसली प्लाट नं० 112 इमारत के साथ जिसका रक्का
 1244 44 वर्ग गज है और सेक्टर नं० 6, फरीदाबाद में स्थित
 है।

"सम्पत्ति जैसे कि सेल डीड रजिस्ट्रेशन नं० 8636 में
 दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 30-3-77
 को दरज की गई"।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 3-12-1977

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० आर० पी० सी० एन०-153/77-78--यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी संप्लाट नं० 61 है, जो वेंकटेश्वर होजीग, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) भी अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किंतु वा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 अ के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 अ की
उपशाला (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री वासुदेव कीशनानी नायेक धर नं० 15-3-5
गौलीगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री अशोक बी० मुलाजकर पुत्र बी० जी० मुलाजकर
23-5-480 शाटली बानदा हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन आरों तरफ दीवार से घिरी है—प्लाट नं० 61
वीस्टर्न 360 वर्ग वार्ड नं० 3-5-167 श्री वेंकटरामा कोआपरे-
टिव सोसाइटी लिंग नारायण गुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री की
है दस्तावेज नं० 697/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 2 दिसम्बर, 1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसंबर 1977

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०-154/77-78—यत्; मुझे
के० एम० वेकट रामन,ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 530/4 वार्ड नं० 16 है, जो गांधीनगर नेलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16 अप्रैल, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और भन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उत्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,1. श्रीमती ए० सुलोचना पत्नि डा० अर्जुन सिंह
पुराना होस्पीटल रास्ता, नेलूर ।
(अन्तरक)2. श्री पी० के० दोरास्थामी पुत्र के नायार नायडु
घर नं० 530/4 वार्ड नं० 16 गांधी नगर नेलूर ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालिकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किये
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास निश्चित
में किए जा सकेंगे।उपबोक्तरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के
प्रन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपबोक्तरण (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—376GI/77के० एम० वेकट रामन,
सभी प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 2 दिसंबर, 1977
मोहर :

प्ररूप श्राई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 नवम्बर 1977

निदेश सं० 37/ए० फी० आर०/77—यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 15 है, जो नवबत खाना कोट्ट स्ट्रीट मदुरै में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 674/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या प्रक्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

(1) श्रीमती महालक्ष्मी अम्माल और आदि
(अन्तरक)(2) भारत टेक्स्टाइल्स
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नवबत खाना कोट्ट स्ट्रीट, डोर सं० 15, (टी० एस० सं०—1479, 1478, 1477 और 1472/भाग) में 3933 स्कूयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 24 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अंश (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

निदेश सं 3852/77-78—यत, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं 15, रुयि डुमस पान्डिचेरी में स्थित है (और
इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरी (डाकुमेण्ट 489/77) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अंके प्र-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 अंकी उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इमानुयल आडिसियम और श्रीमती मार्गुरेट
आडिसियम।

(अन्तरक)

(2) इकोल फन्कायिस डी० एक्ट्रीम ओरियन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरी, रुचि डुमस डोर सं 15 मे 7778
स्क्युर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1 दिसम्बर, 1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रज्जन रेज-II, 123, माऊट रोड मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 1 दिसम्बर 1977 .

निदेश सं० 5531/77-78—यतः मुझे, के० पोन्नन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 30, हेडोस रोड, मद्रास है, तथा जो हेडोस रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 200/77) में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

- (1) श्रीमती पूलवन्टी,
- (2) श्री रमेश सी० शा०,
- (3) श्रीमती सुनिता,
- (4) श्री राजेश मी० शा०,
- (5) श्री कम्लेश सी० शा०,
- (6) श्री विम्लेश सी० शा०
- (7) श्रीमती चन्द्रीका सी० शा०,
- (8) श्री दिलोचना मी० शा०।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र कुमार, श्रीमती उशा बेरड और श्रीमती चन्दन बेरड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 6, हेडोस रोड, डोर सं० 30, मे० 3 ग्राउण्ड 926
 स्क्यूर फोट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रज्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 1 दिसम्बर, 1977

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th November 1977

No. A.32013/1/76-Admn I.—In continuation of this office notification of even number dated 5-8-1977 the President is pleased to appoint Shri Anilendra Gupta, a permanent officer of the Grade I of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of the service as Deputy Secretary with effect from 1-10-1977, until further orders.

No. A.32013/3/76-Admn I.—In continuation of this office notification of even number dated 5-8-1977 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 1-10-1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/3/76-Admn I.—In continuation of this office notification of even number dated 10-8-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 4-10-1977 to 11-11-1977 or until further orders whichever is earlier.

The 5th November 1977

No. A.32013/1/77-Admn I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S No., Name and Period

1. Shri Vir Singh Riat—3-10-1977 to 2-1-1978
2. Shri R. R. Ahir—5-10-1977 to 31-12-1977
3. Shri Pritam Lal—12-10-1977 to 11-11-1977

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st November 1977

No. 7 RCT 28(i)—Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission who was appointed to officiate as Section Officer in the Commission *vide* the Commission's Notification No. 2/28/77-Admn, dated the 22nd August, 1977, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 15th November, 1977.

No. 7 RCT 28(ii)—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from 17-11-77 to 16-1-1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS
Under Secretary
for Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
(DEPTT. OF PERSONNEL AND A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 21st November 1977

F No. B-2/70-Ad.V.—Consequent on his selection as Dy. S. P. (Vigilance) Nagaland Vigilance Commission, Kohima, Shri B. N. Sinha, Dy. S. P. CBI, Calcutta, relinquished charge of his office on the afternoon of 31-10-77.

The 24th November 1977

No. A-19015/1/77-Ad.V.—In supersession of Notification of even number dated 26-10-77, Shri O. B. Saran, Section Officer, on transfer from Deptt. of Justice, has taken over charge as Section Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the forenoon of 12-9-77 until further orders.

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
C.B.I.

New Delhi, the 29th November 1977

F No. A-19036/9/77 AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri G. M. Ambadkar, Inspector of Police, CBI, Bombay Branch and an officer of Maharashtra Police State to officiate as Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-10-77 in a temporary capacity until further orders.

Shri G. M. Ambadkar is posted as Dy. Supdt. of Police in the Vimalal Commission of Inquiry with effect from 31-10-77 (F.N.)

F No. A-19036/10/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. S. Narvekar, Inspector of Police, CBI, Bombay Branch and an officer of Maharashtra State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-10-77 in a temporary capacity until further orders.

Shri R. S. Narvekar, is posted as Dy. Supdt. of Police in the Vimalal Commission of Inquiry with effect from 31-10-77 (F.N.)

V. P. PANDEY
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 24th November 1977

No. P.VII-3/77-Estt.—In partial modification of para 2 of this Directorate General Notification No. P.VII-2/76-Estt dated 24-8-77, Shri B. D. Saeen is promoted as Section Officer in the Directorate General, CRPF on regular basis w.e.f. 17-12-1974.

S. M. GHOSH
Director General, CRPF.

New Delhi-110001, the 29th November 1977

No. P.VII-4/76-Estt-VI.—The President is pleased to appoint on promotion Shri Kashmira Singh, Subedar of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders

He took over charge of the post in 22nd Bn., CRPF w.e.f. 3-11-77 (F.N.) on his repatriation from the ITBP.

The 30th November 1977

No. O.II-71/74-Estt.—Consequent on his conversion to Army, Major S. B. Lal handed over the charge of the post Asstt. Commandant Signal Group Centre, CRPF, Nemuch on the forenoon of 11th November, 1977

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 23rd November 1977

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Singh, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh with his headquarters at Lucknow, with effect from the forenoon of 4th October, 1977 until further orders

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Rustogi, Investigator in the office of the Registrar General, India, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya, at Shillong, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 7th September, 1977, until further orders.

2. His headquarters continue to be at Shillong.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Glover, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity in the office of the Director of Census Operations, Punjab with his headquarters at Chandigarh with effect from the afternoon of 29 September 1977, until further orders, vice Shri G. S. Pabla, who stands reverted to his regular post of Investigator from his *ad hoc* appointment as Assistant Director of Census Operations (Technical).

No. 10/13/76-Ad I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Marimuthu Nagappan, an Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu and Puducherry with his headquarters at Madras, with effect from the forenoon of 7 October, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Chheetar Mal, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Orissa with his headquarters at Cuttack, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10th October, 1977, until further orders.

2. Shri Chheetar Mal relinquished charge of the post of Research Officer, held by him on a purely temporary and *ad hoc* basis in the office of the Registrar General, India, on the afternoon of 30th September, 1977.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

New Delhi-110011, the 28th November 1977

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas an Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Lakshadweep, at Kavaratti, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 9 September, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Y. G. Krishnamurthy, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, at Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10 October, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Singh, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, with his headquarters at Bombay, with effect from the forenoon of 16 November, 1977, until further orders.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT OF EA)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 28th November 1977

No. 1438/A.—In continuation of Notification No. 780/A dated 4-9-76, the *ad hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, ISP are extended for a further period upto 30-11-77 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 21st November 1977

No. OEI-Audo-PF-3090.—The Accountant General has been pleased to promote Smt Uma Guha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 28-10-77 (forenoon).

No. OEI-Audo-PF-3094.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Satish Chandra Raut a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-10-77 (forenoon).

The 23rd November 1977

No. OEI-Audo-3128.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Bhauab Chandra Dutta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-10-77 (forenoon).

B. P. SINHA
St. Deputy Accountant General (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 26th November 1977

No. 81/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri Nilratan Dey, Offg. T.S.O. (Subst & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th Sept., 1977 (AN).

M. N. SHUKLA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st November 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENTS

No. 6/489/58-Admn(G)/8243.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Bansal permanent Controller of Imports and Exports (Class-II) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders.

No. 6/606/60-Admn(G)/8250.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Rai, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi relinquished the charge of the post on the afternoon of the 31st October, 1977.

No. 6/744/65-Admn(G)/8258.—The President is pleased to appoint Shri P. C. S. Pissilencar, a permanent Controller of Imports and Exports in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Goa, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders.

The 23rd November 1977

No. 6/887/69-Admn(G)/8295.—On attaining the age of superannuation, Shri G. K. Gandhi, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay relinquished the charge of the post on the afternoon of the 31st October, 1977.

No. 6/415/56-Admn(G)/8302.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Dheer, a permanent Controller of Imports and Exports as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of

Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th July, 1977, until further orders

The 28th November 1977

No 6/491/58-Admn(G)/8332.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bhargava a permanent Controller of Imports and Exports (Class-II) in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th July, 1977, until further orders.

No 6/486/58-Admn(G)/8364.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Panwar, Controller of Imports and Exports in this organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1977, until further orders.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 26th November 1977

No A-12011/8/77-DCH.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 15th November 1977 and until further orders Shri G. D. Vaghela, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre, Bombay as Director of Designs (Exhibit) in the same Centre.

(Km) R. SAHNI
Dy. Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd November 1977

No A-1/1(655)/III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Kalyanaraman, Dy. Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 5th November, 1977 and until further orders

No A-1/1(753)/II.—The President is pleased to appoint Shri Sarvesh Swarup, Assistant Director (Grade I) Grade III of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of the 5th November, 1977 and until further orders

The 28th November 1977

No A-1/1(648)/III.—The President is pleased to appoint Shri M. Sundararaman, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate, on *ad hoc* basis, as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 14th November, 1977 and until further orders

Shri Sundararaman relinquished charge of the post of Deputy Director in the office of the Director of Supplies & Disposals at Calcutta on the afternoon of the 7th November, 1977 and received charge of the office of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals at New Delhi on the forenoon of the 14th November, 1977

The 29th November 1977

No. A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri Ardaman Singh who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 21st Oct. 1976, as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri Amrit Lal, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from 6-6-1977 (F N) to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 8th August, 1977 and until further orders

The 30th November 1977

No A-1/1(1105).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Gian Chandra, Supdt (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the Dte. General, Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1977 and until further orders.

2 The appointment of Shri Gian Chandra as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

A-1/1(1107)—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Jaishi Ram, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1977 and until further orders.

2 The appointment of Shri Jaishi Ram as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri S. N. Banerjee who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 7th November, 1974, to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Dte. General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders.

No A-1/2(360)—The President is pleased to appoint Shri R. N. Das, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from 7-11-1974 (F N) to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 14th July, 1977 and until further orders

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd November 1977

No A-19011(202)/76-Estt A.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Srivastava to the post of Sr. Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th October, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 19th November 1977

No. 3/59/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B P Wadavi, Senior Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Indore, with effect from 14-11-77 (F.N.) until further orders

S V SESHADRI
Deputy Director of Admin
for Director General

New Delhi, the November 1977

No 10/109/77/S III.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S Jawahar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Sambhalpur with effect from 11-11-77.

The 23rd November 1977

No 4(51)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K Srinivasaraghavan as Programme Executive, All India Radio, Tiruchirapalli in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977 and until further orders.

The 28th November 1977

No 4(12)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Haseen Uddin Siddiqui as Programme Executive, All India Radio Ambikapur in a temporary capacity with effect from 31st October, 1977 and until further orders.

No 4(56)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Abdur Rahman as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from 1st October, 1977 and until further orders

No. 10/79/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Jain to officiate as Assistant Engineer at AIR, Silchar w.e.f. 14-10-77.

No 10/95/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Chandra D Sharma to officiate as Assistant Engineer at AIR, Chattarpur w.e.f. 1-11-77 (AN).

N. K BHARDWAJ
Deputy Director Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 23rd November 1977

No. A-12026/1/77-Est I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A R Sharif, Officiating Asstt. Newsreel Officer, Films Division, Jaipur, to officiate as Cameraman in Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of the 24th October, 1977, vice Shri S Pattabhiraman, Permanent Cameraman, appointed as Newsreel Officer.

M K JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th November 1977

No 12-24/73-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S K Chatterjee, Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from the Government service on the afternoon of 31st October, 1977.

S. L. KUTHIALA
By Director Administration.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Hyderabad, the 24th November 1977

No F 4-5(84)/77-A III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Gopal Singh, Senior Chemist, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group III) at Nagpur with effect from 25-10-77 (F.N.), until further orders.

No F 4-6(129)/77-A III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri P. Kutumba Rao, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Hyderabad with effect from 31-10-77 (F.N.), until further orders

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 29th November 1977

No F 2-1/77-Est II.—Shri Amar Singh has been appointed as Design Engineer (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Extension Education Institute, Nilokheri, Distt. Karnal (Haryana) on an *ad hoc* basis, with effect from Forenoon of 7th April, 1977, until further orders

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 28th November 1977

No 4-7/76-Adm.—The services of Shri D. P. Mohindra, permanent Accounts Officer belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts, who was working as Accounts Officer in National Forest Resources Survey, Dehra Dun on deputation basis, are hereby transferred to Pension establishment of Controller General of Defence Accounts w.e.f. 31-10-77 (AN), on attaining the age of superannuation viz. 58 years in pursuance of P. II office order No 84 dated 5-2-77 of the Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun

CHIEF COORDINATOR
P. B. X. Line—4191-4192.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 9th November 1977

No DPS/23(4)/77-Est/3320.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants of the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods as mentioned against each

Sl. No., Name, Period for which appointed and Remarks

1. Shri K K Krishnan, From 28-10-1977 to 24-11-1977
—Vice Shri S J Pradhan, Asstt. Purchase Officer granted leave
2. Shri C S Shivaramu, From 24-10-1977 to 24-11-1977
—Vice Shri B L Thakur, Asstt. Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 6th November 1977

No. PAR/0704/2762.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Mohd. Minhaj Rasool, UDC, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad from 5-11-1977 to 4-12-1977 or until further orders whichever is earlier.

U VASUDDEVA RAO
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

No. RAPP/Recr.3(1)/77/S/1597.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri P. C. Natekar, a Quasipermanent Asstt. Foreman and Officiating Foreman, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same project with effect from the forenoon of 1st Nov. 1977 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 31st October 1977

No. HWP/Estt/1/M-13/5823.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on an *ad hoc* basis, from October 24, 1977 (FN) to November 24, 1977 (AN) v/c Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts officer II.

No. HWP/Estt/1/V-22/5824.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Central Office) in the same grade, to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity on an *ad hoc* basis, from October 24, 1977 (FN) to November 24, 1977 (AN) v/c Shri M. M. Kasbekar, Accounts Officer II, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO-TAPP, the 1st November 1977

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—In supersession of this office Notification of even No. dated 13-9-1977, Chief Superintendent, TAPS, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant, TAPS as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960, on *ad hoc* basis with effect from 21-7-1977 until further orders.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 14th November 1977

No. A.32013/4/77/R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. G. Samuel, a temporary Scientific Assistant 'C' of this Centre as Scientific Officer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

11-376GI/77

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603102, the 9th November 1977

No. CEG/1(6)/77-Adm.—Chief Engineer (Civil), Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam, appoints S/Shri R. Thyagarajan, K. Srikanthiah, II Ganesan and N. Kumar, temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 23rd November 1977

No. E(I)00938.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. B. Mazumdar as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th October, 1977 and until further orders.

Shri Mazumdar has been posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.

No. E(I)06790.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. De as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd October, 1977 and until further orders.

Shri De has been posted to the office of the Director (Instruments) Pune.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 26th November 1977

No. 16/270/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Rita Dhawan as Research Officer at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 9th November, 1977, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Patna, the 24th November 1977

C. No. II(7)1Et/77/13265.—Shri S. P. Shrivastava, Dy. Superintendent of Police, C R P F appointed as communication officers on deputation in the Directorate of Communication vide Government of India, Department of Revenue, New Delhi's Order No. 124/77 dated 4th August 1977 in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 and special pay of Rs. 100/- per month assumed charge as communication officer of customs in the Collectorate of Customs (Prev.), Patna on 12th Aug. 1977 (Forenoon) at New Delhi as per Ministry of Finance, Department of Revenue, Directorate of Communication (Customs), New Delhi's Order No. 9/77 dated 9th August 1977 and subsequent he has reported for duty on 16th August 1977 (forenoon) at Patna.

Sd. ILLEGIBLE
Collector
Central Excise, Patna

Patna, the 26th November 1977

C No II(7)1-ET/77/13308.—In pursuance of Govt. of India, Department of Revenue, New Delhi's Order No 136/77 dated 23rd Aug 1977 and this office Estt. Order No. 244/77 dated 7th September 1977, Sri C. K. Kaloni, Superintendent Group "A" of Central Excise assumed charge as Assistant Collector (L/R) Central Excise Hqrs, Office, Patna in the forenoon of 12th September 1977.

Sd/- ILLEGIBLE
Collector
Central Excise, Patna.

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 23rd November 1977

No 13/77—Consequent on his retirement from service Shri H. C. Saksena, relinquished charge of the post of Inspecting Officer, (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad in the afternoon of the 31st October, 1977.

No 14/77.—Shri S. Hameedul Hasan lately posted as Supdt, Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Allahabad, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad on 31st October 1977 (A.N.) vice Shri H. C. Saksena retired.

No 15/77.—Shri Dharam Pal Sharma likely posted as Supdt of Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Chandigarh, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, at New Delhi on 11th November 1977 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection.

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 23rd November 1977

No. 14-TR(5)/63—Shri O. P. Mehta, Lecturer-in-Engineering D.M.E.T., Calcutta, relinquished charge of his post consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 11th July 1977 (F.N.)

K. S SIDHU
Dy. Director General of Shipping.

**INTEGRAL COACH FACTORY
GENERAL MANAGER'S OFFICE,
PERSONNEL BRANCH**

Madras-38, the 25th November 1977

No PB/GG/9/Misc II.—Sri Ramachandran, offg Sr Mechanical Engineer (SS) on return from deputation with the Calcutta Tramways Co., Ltd., reported for duty in ICF on the forenoon of 4th October 1977.

Shri C S Venkataraman, offg District Controller of Stores/Depot/Fur, (SS) has been reverted to Class II service from 11th October 1977 F.N.

Sri Syed Niamathullah, offg. Asstt Production Engineer/PR/F (Cl II) has been promoted to officiate in Senior scale as Works Manager/Fur from 27th October 1977

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer,
For General Manager.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 2nd November 1977

No. 76/W4/CNL/NE/25.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) has sanctioned a Reconnaissance/Preliminary Engineering-cum-Traffic Survey for construction of a metric gauge line from Nautanwa to Sonauli (10 kms). The survey is being carried out by the North-Eastern Railway

B. MOHANTY
Secy., Railway Board.

**MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)**

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 18th November 1977

No. G-65/B(CON).—The undermentioned hereby appoints Sarvashri Subrata Ghatak and Tarit Kanti Datta, Scientific Assistant (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officers (Chemical) in the same office with effect from 24th October 1977 (F/N) and 31st October 1977 (F/N) respectively on an ad hoc basis until further orders.

The 21st November 1977

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Shri Phani Bhushan Chakraborty to officiate as Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Calcutta with effect from 25th October 1977 (F/N) until further orders.

B. C. BISWAS
Joint Director,
National Test House, Calcutta.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)**

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

TAMIL NADU, MADRAS

In the matter of Companies Act, 1956 and of the South Arcot Veeranarayam Produce and Commerce Ltd.

Madras-600006, the 11th March 1976

No 2541/Liqn/S.247/57/75.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of the South Arcot Veeranarayam Produce and Commerce Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Shanmuga Vilas Theatres Limited

Madras-600006, the 11th March 1976

No. 2681/Liqn/S.560(5)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Shanmuga Vilas Theatres Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Messrs Thiyagi Industries Limited (in Liquidation)

Madras-600006, the 24th July 1976

No 3604/Liqn/S 560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Messrs. Thiyagi Industries Limited (in Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the
Ruby Rubber Works (Madras) Limited
(Section 445 of the Companies Act 1956).*

Madras, the 22nd November 1977

No. 3707/C.Lgn 77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 14th February 1976 passed in C. P No 60 of 1974 the Company Ruby Rubber Works (Madras) Limited was wound up.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Venus Chit Fund Private Limited (in Liquidation)
Madras 600006, the 29th November 1977*

No 3567/Lqn/S.560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 and that the name of Venus Chit Fund Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamilnadu, Madras.

FORM ITNS—

(1) Jai Shastri Nagar Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 26th November 1977

Ref. No AR-IV/802-1/May' 77—Whereas, I M. C Upadhyaya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. "B", Survey No 146 (part) situated at Village Nahur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Neo Shastri Nagar Co-operative Housing Society Ltd.

LIST OF THE MEMBERS OF NEO SHASTRI NAGAR CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD., MULUND, BOMBAY-400 082

Sr No	Name of the Member	Flat No
1	2.	3
1	Shri N O K. Pillai	1/1
2	Shri D H Dadlani	1/2
3	Shri K Vijai	1/3
4	Shri K V Keshavanunu	1/4
5	Shri Jestic Jacob	1/5
6	Shri Pramod M. Basur	1/6
7	Smt V L Rohira	1/7
8.	Smt. Savitri Jayurajan	1/8
9	Smt. C P. Kalani	1/9
10.	Shri E. Alavindakshan	1/10
11	Shri M T Punjabi	1/11
12	Shri G. R. Pillai	1/12
13	Shri M P Thomas	1/13
14.	Shri S. D Kapoor	1/14
15	Shri D. R. Dhusia	1/15
16.	Shri Kithunni Krishnana	1/16
17	Shri A. K. Mehta	1/17
18	Smt. D. L. Nanu	1/18
19	Shri J. N. Padmanabhan	1/19
20	Shri Purushottam Hassabettu	1/20
21	Shri S D Jagasia	2/21
22.	Shri M R. K Nantiyal	2/22
23	Shri R R Darne	2/23
24.	Shri Aichi B. Devdas	2/24
25.	Shri S. S. Sandhu	2/25
26.	Shri Y. S. Shetty	2/26
27.	Shri T M. N. Nail	2/27
28	Smt Omana K Nambiar	2/28
29	Shri K S Nagi	2/29
30	Smt. Mohini K Gurnani	2/30
31	Shri K V Sodhi	2/31
32.	Smt. G. A. Upadhyaya	2/32
33	Shri K. Balakrishnan	2/33
34	Shri N. R. Sharma	2/34
35	Shri P. B. Sanena	2/35
36	Shri P. G. N. Pillai	2/36
37	Shri A. T. Mathew	2/37
38.	Shri R. Bajaj	2/38
39	Shri J. M. Puthram	2/39
40	Shri K Unni Madhavan	2/40
41.	Shri Jagmohan Baidun	3/41
42.	Smt S Mukherjee	3/42
43.	Shri S. Gandhi	3/43
44	Smt Ramdevi Sachdev	3/44
45.	Shri S G. Deshpande	3/45
46.	Smt U K. Shetty	3/46
47	Smt Ratna	3/47
48.	Shri N N Kothari	3/48
49.	Shri Govindram L Rajusth	3/49
50.	Smt J P. Shiv	3/50
51.	Shri William Monteiro	3/51
52.	Shri Pasiani Mehta B.	3/52
53	Shri K G Darvani	3/53
54	Shri Shashi Kant K. Ail	3/54
55.	Shri O. M. Ratna Karen	3/55

Sr. No.	Name of the Member	Flat No.	Sr. No.	Name of the Member	Flat No.
1.	2.	3.	1	2.	3.
56.	Smt. Kantidevi Kapoor	3/56	122.	Smt. N. John	7/122
57.	Shri Jaspal Singh H. S.	3/57	123.	Miss D. L. Tejwani	7/123
58.	Smt. G. S. Dube	3/58	124.	Shri Sachdeo	7/124
59.	Smt. N. R. Gopalan	3/59	125.	Smt. Lalita D. Dhara	7/125
60.	Shri G. M. Kulkarni	3/60	126.	Shri J. M. Paliani	7/126
61.	Shri K. K. Shankaran	4/61	127.	Shri R. R. Williama	7/127
62.	Smt. D. K. Sandhu	4/62	128.	Smt. H. T. Ahuja	7/128
63.	Smt. Pushpa D. Joshi	4/63	129.	Shri G. G. D'souza	7/129
64.	Shri S. R. Krishnan	4/64	130.	Shri B. Vachani	7/130
65.	Shri R. G. Gupte	4/65	131.	Smt. Ammini Joseph	7/131
66.	Shri C. L. Sanake	4/66	132.	Smt. E. Manikyam	7/132
67.	Smt. Sarojini Thambappam	4/67	133.	Miss Kiran S. Jain	7/133
68.	Shri Vinod Kumar Vohra	4/68	134.	Miss Asha S. Jain	7/134
69.	Shri R. K. Seth	4/69	135.	Shri G. N. Ramanjan	7/135
70.	Shri R. R. Shaikh	4/70	136.	Shri S. Singh Manchanda	8/136
71.	Shri Topandas Thakur	4/71	137.	Shri Gianchand Nagwani	8/137
72.	Smt. Padma A. Hemrajani	4/72	138.	Shri A. J. Verjhore	8/138
73.	Shri Anthony Durai	4/73	139.	Smt. S. K. Dwaliwal	8/139
74.	Smt. Talvender Kaur S.	4/74	140.	Shri G. B. Bedi	7/140
75.	Shri Naranjan Singh J.	4/75	141.	Shri Mukesh K. Rancy	8/141
76.	Shri J. S. Jethwani	4/76	142.	Smt. Padma Thakur	8/142
77.	Smt. V. Sakhrani	4/77	143.	Emt. Shapida Mohammed	8/143
78.	Smt. May J. Zalki	4/78	144.	Smt. D. V. Nagpal	8/144
79.	Shri Arjan M. Santani	4/79	145.	Smt. K. S. Punjabi	8/145
80.	Shri Vinod Agnani	4/80	146.	Shri D. K. Dandari	8/147
81.	Smt. Vatsala Nair	5/81	147.	Smt. S. Mishra	8/147
82.	Shri K. K. George	5/82	148.	Shri Natrajan	8/148
83.	Shri P. D. Naidu	5/83	149.	Shri M. K. Sharma	8/149
84.	Shri V. K. Unni Nair	5/84	150.	Shri R. K. Jaitley	8/150
85.	Smt. Sushma Devi Jain	5/85	151.	Shri G. Badyal	8/151
86.	Smt. Kamla H. Punjabi	5/86	152.	Shri Arjan V. Santani	8/152
87.	Shri S. R. Punjabi	5/86	153.	Smt. Birmla	8/153
88.	Shri D. N. Nanak	5/88	154.	Miss Pushpa S. Nagpal	8/154
89.	Shri Ajitsingh Khersingh	5/89	155.	Shri J. M. Kale	8/155
90.	Shri Cheriam Abraham	5/90	156.	Smt. P. Surendra Singh	9/1
91.	Shri M. S. Puthra	5/91	157.	Shri D. G. Shellai	9/2
92.	Shri N. Kumaran	5/92	158.	Smt. Gomtibai Agarwal	9/3
93.	Shri Oommen Mathew	5/93	159.	Shri A. V. Nayantara	9/4
94.	Shri K. Malti Shankaran	5/94	160.	Shri K. Nahubani	9/5
95.	Shri Suresh Krishnakant A.	5/95	161.	Smt. Sawant Aruna K.	9/6
96.	Shri H. B. Nagaonkar	6/96	162.	Shri K. Balan	9/7
97.	Shri M. V. Badlani	6/97	163.	Smt. Bhat Mahadevi D.	9/8
98.	Shri G. S. Gohil	6/98	164.	Shri Rochiram	10/9
99.	Shri H. S. Gohil	6/99	165.	Shri Rochiram	10/10
100.	Shri V. B. Shunde	6/100	166.	Shri S. J. Ahuja	10/11
101.	Shri G. K. Thilakan	6/101	167.	Shri Ahuja	10/12
102.	Smt. A. K. Krishnan	6/102	168.	Shri Mehra	10/13
103.	Shri H. R. Satye	6/103	169.	Smt. C. Karat	10/14
104.	Shri V. K. Nathani	6/104	170.	Smt. Joshi	10/15
105.	Smt. Lata S. Rajani	6/105	171.	Shri K. N. Chaudhary	10/16
106.	Smt. Pushpa Vachani	6/106	172.	Smt. S. Bhandare	10/17
107.	Shri Mahesh Ambegoankar	6/107	173.	Shri R. D. Bhandare	10/18
108.	Smt. V. K. Bajaj	6/108			
109.	Shri Kartar Singh	6/109			
110.	Shri G. M. Jacob	6/110			
111.	Shri O. M. Nanda	6/111			
112.	Shri P. Gopala Krishnan	6/112			
113.	Smt. R. R. Bhatia	6/113			
114.	Miss J. O. Kotwani	6/114			
115.	Smt. Shaila J. Rao	6/115			
116.	Shri K. K. M. Kurup	7/116			
117.	Smt. Viu Devi Sharma	7/117			
118.	Smt. Jyoti P. Haswani	7/118			
119.	Smt. Mayadevi Sharma	7/119			
120.	Smt. Sugnibai R. Punjabi	7/120			
121.	Shri Kamal Krishnan Kapoor	7/121			

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

the East by the property belonging to the Vendors, on or towards the West by Government land, on or towards the South by Land belonging to E. Ratanshaw Limited and on or towards the North by the Municipal Corporation Road.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural vacant land situate lying and being at Village Nahur, Mulund, being Plot No "B", admeasuring 12,990 square yards, *i.e.* 1081.27 square metres being a portion of Survey No. 146 (part) in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District and bounded as follows, that is to say, on or towards

M. C. UPADHYAYA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 26-11-1977

Seal .

FORM ITNS

(1) Smt. Mohinder Kaur d/o
Shri Tirlok Singh, S/o
Shri Asa Singh,
Fazlka Road, Abohar

(Transferee)

(2) Shri Pyara Singh,
Shri Kundan Singh,
Shri Dara Singh
S/o Shri Labh Singh
S/o Shri Mukha Singh
R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 54 K 11 M situated in village Abohar as mentioned in sale deed No 2158 dated 2-3-1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No. AP61/BTI/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Surinder Singh, Jaswinder Singh
S/o Sh. Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya.

(Transferor)

(2) Shri Joga Singh
S/o Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
r/o Goraya.
Tch. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 1 marla 4 Sarsai situated at Goraya as mentioned in sale deed No. 5054 of March, 1977 with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaswinder Singh
S/o Shri Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya.

(Transferor)

(2) Shri Joga Singh
S/o Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
r/o Goraya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 14th November 1977

Ref No. AP 59/BII/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One shop measuring 1/2 marlas land as mentioned in registration deed No 5071 dated 14-3-77 registered with the sub-registrar, Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-11-1977

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12 -376GI/77

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA
Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No AP60/BTI/77-78—Whereas, I, P N MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Surinder Singh, Jaswinder Singh
S/o Shri Mehar Singh
S/o Shri Chanda Singh,
r/o Goraya

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh
S/o Shri Ram Kishan,
S/o Sh. Sunder Singh
r/o Goraya.

(Transferee)

(3) As per S No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 1/2 marla situated at Gorya as mentioned in sale deed No 3053 of March 1977 registered with the SR Phillaur (Shop)

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 14-11-1977
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Dewan Chand
S/o Shri Amin Chand
R/o Village Nangal Kera,
Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Waryam Ram
S/o Shri Amin Chand
S/o Shri Bahadur Ram,
R/o Dangar Khera,
Teh Fazilka

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be
interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th November 1977

Ref. No. AP63/BII/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Dangar Khera (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka on March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 56 K 8 M in village Dangar Khera, Teh. Fazilka as mentioned in registration deed No 3616 dated 30-3-1977 registered with the S.R. Fazilka

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 14-11-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Sita Ram Gupta
S/o Shri Raghunath Dass Gupta
r/o A-1/7 Krishan Nagar, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

(2) Prem Narain Gupta
s/o Shri Sita Ram Gupta
r/o A-1/7 Krishan Nagar, Delhi-51

(Transfeice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq II/1287/77-78/4342.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. A-1/7 situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A 2½ storied house constructed on a plot of land measuring 307 1/3 sq. yds bearing Plot No. 7 Block A-1 situated at Krishan Nagar, Delhi & Bounded as under—

North : Road
West : Built up plot No. A-1/6
South : Road
East : Partly built plot A-1/7-B.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 26-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 30th November 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1288/77-78/4342—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 7255 situated at Roshanara Extension Scheme, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 7-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) M/s G M.C. Humco Industries Ltd, Redg. Office at Premises of M/s Tin Printing Building No 7259 Roshanara Extu Scheme, Delhi through Shri Dinesh Diang, Director, 1/o W/37 G.K.I. New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Sat Pal Mohindroo, Yashpal Mohindroo Ajinder Alas Ajinder Pal Mohindroo all S/o Shri Jag Wasaya Mohindroo, r/o C-26 Sudarshan Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 7255 measuring 562 vds alongwith the entire superstructure thereon situated at Roshanara Extension Scheme, Delhi & bounded as under—

North : G T. Road
South : Shakti Temple
East : Temple
West : Road 40 ft. wide

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Lal Sawhney
S/o Shri Sant Ram Sawhney,
R/o B-23, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajinder Kumar Malhotra,
S/o Shri Mastan Chand Malhotra,
1/o 11, Mahabali Nagar,
New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, VSAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1977

Ref. No. IAC-Acq III/1321/77-78 4343—Whereas, I
A. L. SUD,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing
No. 2/76 situated at Tehar I, (Subhash Nagar) New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 24-4-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer is agreed to between the parties has not been
truly in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957)

Government Built Q1 No. 2/76, Tehar No. (1) situated
at Subhash Nagar, New Delhi, & bounded as under —

North Government Built Property.
South : Government Built Property
East Lane
West Common Courtyard

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely,—

Date 30-11-1977.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(1) Smt. Damyanti Rani Chadha
W/o Shri Maharaj Krishna Chadha
r/o 6-B/10, N.E.A
New Delhi-110060.

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Chand Jain
S/o Shri Kapoor Chand Jain
(2) Smt. Shakuntla Devi Jain
W/o Sh. Shekhar Chand Jain
(3) Sh. Anil Kumar Jain
S/o Sh. Shankar Chand Jain
(4) Sh. Arun Kumar Jain
S/o Sh. Shekhar Chand Jain
all r/o 4423, Gali Ahiran Pahari Dhiraj
New Delhi-110006

(Transferee)

New Delhi-110001, the 26th November 1977

Ref. No IAC/Acq.III/SR III/May/654(II)/77-78 / 4343 —Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6B/10 situated at N.E.A New Delhi-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 5-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A 24 storied building constructed on a plot of land measuring 737 44 sq. yds bearing plot No 10-B, Block No 6 situated in Northern Extension Area, New Delhi & bounded as under :—

North : Road
East : Road
South : Road
West : Bungalow No. 6B/9

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 26-11-1977
Seal

FORM ITNS—

(1) S/Shri Dharan Singh son of Harnam Singh
R/o, 2/1, Guru Road, Dehra Dun
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri S Teja Singh S/o S Labh Singh
R/o Majra, Serving as Manager
Punjab Sindh Bank Majra, Teh & Distt. Dehra Dun
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No 503-A/Acq/D Dun/77-78/5291.—Whereas I, R P BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 21-4-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of portion of 2/1 Guru Road, Dehra Dun, Transferred for an apparent consideration of Rs 45,000/-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 28th November 1977
Seal

FORM ITNS—

(1) S/Shri Tejraj Singh Goyal S/o Annop Singh and Shantanu Goyal S/o Tejraj Singh Goyal, R/o KH-977 New Kavi Nagar, Ghazinabad
(Transferor)

(2) S/Shri Raj Kumar S/o Gopi Chand and Rajeev Kumar S/o Prem Kumar, R/o 183, Civil I mes, Bhopa Road, Muzaffarnagar
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/562-A/M.Nagar/77-78/5295—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 19-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—376GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of House bearing No. 53, situated at Dwarikapuri, Distt. Muzaffarpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,750/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Yatender Rao S/o Randhir Singh,
Vill Rajapur Kalan, Jansath,
Present address Mai Mandi, Muzaffarnagar
(Transferor)

(2) S/Shri Mahendra Singh S/o Nain Singh and
Rampal Singh S/o Ram Singh and Onkar Singh
S/o Nain Singh, R/o Vill Batauli,
P O Bahsumat, Distt Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref No Acq/686-A/M. Nagar/77-78/5293.—Whereas I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Mawana on 28-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 6 Bigha 11 Biswa and 15 Biswanai, situated at Vill. Batauli, Teh Mawana, Hastinapur, Distt Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs 40,000/-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Vijay K Bansal,
3, Inder Road, Dehra Dun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Pradeep Kumar Sharda and Sandeep Kumar
Sharda through Smt. Snehlata Sharda, 3 Inder Road
Dehra Dun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. 704-A/Asq/D Dun/77-78/5296.—Whereas I,
R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at per Schedule
(and more fully described
in the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Dehra Dun on April, 1977
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of House property
No. 3, Inder Road, Dehra Dun, transferred for an apparent
consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/672-A/Saharanpur/77-78/5289 —Whereas, I R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 20-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Raj Kumari, widow Anand Swami, Swatantra Kutir, Jwalaipur Road P.O. Kankhal, Saharanpur

(Transferor)

(2) S/Shri S. Mahendra Singh S/o S Pyare Singh R/o Nirmala Chawani, Haridwar, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of plot measuring 15000 sq. ft situated at Kankhal Haridwar Road, Haridwar, Distt Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 24,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) S/ Shri Kailash Nath Sinha son of late Sri Gopi Nath Sinha resident of 50, Saket, Meerut
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sandhya Jain W/o Sh. Mohit Kumar Jain
Resident of 49-A, Saket, Meerut
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/440-A/Meerut/77-78/5294.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 1-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of ½ portion of House bearing No 49-A, Saket, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs 60,000/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 28th November 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Tejraj Singh Goyal S/o Anoop Singh and Himansu Goyal S/o Tejraj Singh Goyal R/o KH-97, New Kavi Nagar, Ghaziabad.
(Transferor)

(2) S/Shri Surendra Kumar and Dharam Pal, both S/o Prem Kumar, R/o 183, Civil Lines, Bhopal Road, Muzaffarnagar
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1977

Ref. No. Acq/561-A/G. Bad/77-78/5290—Whereas, I,

R P BHARGAVA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1 portion of House No 53, situated at Dwarakapuri, Distt Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs 40,750/-.

R P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 28th November 1977

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Singh S/o Harnam Singh,
R/o 2/1, Guru Road, Dehra Dun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA(2) Shri Tilok Chand Garg S/o Mitthan Lal Garg,
R/o 2/1, Guru Road, Dehra Dun

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 28th November 1977

Ref No. Acq/504-A/D Dun/77-78/5235—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 22-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of portion of House No. 2/1, Guru Road, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,650/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1977

Ref No Acq/715-A/Meerut/77-78/5303 —Whereas, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Ajit Prasad Jain son of J P Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Jain son of Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 600 sq yd, bearing plot No 124/ situated in Kishan Flour Mills Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,200/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gunmala Jain W/o Ajit Prasad Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1977

Ref. No. Acq/714-A/Meerut/77-78/5302—Whereas, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—376GI/77

(2) Shri Ajay Kumar Jain S/o Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 565 s.y.d bearing plot No. 124/ situated in Kishan Flour Mills Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,905/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date . 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sanjay Kumar Jain S/o Ajit Pd. Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajay Kumar Jain S/o Sukumar Chand Jain
R/o Kishan Flour Mills, Railway Road,
Meerut City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq/716-A/Meerut/77-78/5301—Whereas J. R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 600 s.y.d bearing plot No. 124 situated in Kishan Flour Mills Compound, Railway Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,200/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 30th November 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kancherla Vasavamba, W/o Sri Srinath Kancherlavari Street, Palakol, West Godavari Dist (Transferor)

(2) Shrimati Machepalli Venkata Vijaya Laxmi, W/o Sri Ravindra Babu, Man Road, Palakol, West Godavari Dist. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No. Acq. F No 518.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 122 situated at Vadali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Penugonda on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 544/77 registered before the Sub-registrar, Penugonda during the fortnight ended on 30-4-1977.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Veerapaneni Kodandaramaiah, Verahapatnam (PO), Kaikalur Taluk, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Shri C. V. V. Satyanarayana Murty, C/o The National Engineering Co. (M) (P) Ltd., 272/273 An-gapta Naick St., Madras-600001

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref. No. Acq. F. No 517—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS Nos. 226/1, 226/2, 224/6, & 227/1A situated at Varahapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaikalur on 14-4-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1554/77 registered before the Sub-registrar, Kaikalur during the fortnight ended on 15-4-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pendyala Venkataamamma, W/o Sitharamaiah, Marutinagar, Vijayawada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Koka Tripuramba, D/o K. Halli Prakas Rao, Regd. Medical Practitioner, Jigadamvalli Street, Suryaiaopeta, Vijayawada

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No Acq F. No. 515.—Whereas I, B V Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 31-3-2 situated at Maruthinagar, Madhavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 641/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-4-1977.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

date 28-11-1977
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No Acq. F. No 514.—Whereas I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2-122 situated at Pithapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on FN 15-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Partners of M/s Muppana Chinna Veerabhadra Rao & Sons.
1. M. Chinna Veerabhadra Rao,
2. M. Somaraju,
3. M. Veerajulu,
4. M. Veerabhadra Satish Kumar, Minor by
guardian father M. Somaraju, Peddapuram
(Transferor)

(2) Partners of M/s. Chekka Venkata Subramanyam & Others.
1. Ch. Butchiraju,
2. Ch. Venkata Subrahmanyam,
3. Ch. Veera Venkata Satya Krishna Sobhanadri Rao,
4. Ch Chakradhararao and
5. Ch Ramakrishna Prasad, Pithapuram.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1098/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-4-1977 including furniture and machinery.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada

Date . 28-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Veerapaneni Konandaramaiah, Vaiahapatnam (P.O.), Kaikalur Taluk, Krishna Dist.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref No. Acq F No 516.—Whereas, I, B V Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

RS No. 222/K, 222/2, 222/3, 225/3 & 227/1A situated at Varahapatnam, Kaikalur Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kaikalur on 13-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C V V. Satyanarayana Murty, C/o. The National Engineering Co (M) (P) Ltd., 272/273 Angappa Naick St., Madras-600001

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1546/77 registered before the Sub-registrar, Kaikalur during the fortnight ended on 15-4-1977

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada

Date : 28-11-1977,
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shrimati Kancherla Vasavamba, W/o Sri Srinath, Kancherlavari Street, Palakol, West Godavari Dist (Transferor)

(2) Shrimati Chitturi Ratna Manikyam, W/o Bala Siva Subrahmanyam C/o M/s Circars Laxmi Mill Co, Mattavari Street (Convent Street), Vijayawada-1. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th November 1977

Ref. Acq F. No 519—Whereas, I, B V SUBBHA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 106, 108 & 122 situated at Ramannapalem & Vadali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Penugonda on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 543/77 registered before the Sub-Registrar, Penugonda during the fortnight ended on 30-4-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, (I/C), Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mithulal Raka
R/o 4/7, Raj Mohalla North, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Sarla Devi Jain C/o M/s Pannalal Venirampu Choudhary, 211 M. G. Road, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/898.—Whereas, I, R. K. Bali being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, Joy Builder's Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No 13 situated at Joy Builders Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—376 GI/77

Dated : 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref No IAC/Acq/Bpl/77-78/899—Whereas, I, R. K. Bali, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 storied house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 9.84 Meter X 24.40 Meters) part situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) 1 Shri Hiralal S/o Shri Kedar Shanker.
2 Shri Naipath S/o Shri Daulal
3 Shri Pritamal S/o Shri Dirajlal.
4 Shri Swarnjee Parmanandjee Sarwat
5 Shri Nand Kishore S/o Kishanlal.
6 Ambhalal S/o Shri Nathulal
7 Shri Govindlal S/o Shri Hatlal.
8 Shri Ishwarlal S/o Shri Kannilal.
9 Shri Himatlal S/o Shri Marakhilal
10 Shri Latikishore S/o Shri Kishanlal
11 Shri Navneetlal S/o Shri Nanulaljee cast Nagar
Brahman call the r/o Banswara Rajthan
(Transferor)

- (2) The Cloth Merchant Association Bajajkhana, Ratlam through its president —
1 Shri Fakirchand S/o Shri Rakhabchand
2 Shri Nihalchand S/o Jarhanchand
3. Shri Samratmal S/o Shri Keshrimal
4. Shri Laxmumarain S/o Shri Vijay Singh
5. Shri Sujanmal S/o Shri Chandmal Charodia.
All 1/o Bajajkhana, Ratlam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2³ Storyed house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 9.84 meter X 24.40 meters)

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Retd. Major Shridhar Gopal Rao Khot R/o 24 Yeshwant Colony, in front of Yeshwant Club, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar S/o Dipchandji Oswal, C/o M/s. Kamalbhushan Bhandar, Ganj Basoda, Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77/900—Whereas, I, R. K. Ball, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 157, Double Storied Situated as Ravindra Nath Tagore Marg, Indore situated at Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 157, Double Storied situated at Ravindra Nath Tagore Marg, Indore.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Raj Kour W/o Shri Sunder Singhjee Sikh r/o Mandi Road, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Girdharilal Agarwal S/o Shri Babulaljee Agarwal r/o 11 Sita building, Yashwant Niwas road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/901.—Whereas, I R. K. Bali being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot bearing No. 7-A at Srinagar Extension, Annexy Colony, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 2-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot bearing No. 7-A at Srinagar Extension, Annexy Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 21-11-1977

Seal.

FORM ITNS

(1) M/s. Alpa Aay Samuday Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit 3/1, Lodhi Mohalla, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref No IAC/Acq/Bpl/77-78/902—Whereas, J. R. K. Bali being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1) Plot Nos. 62 to 68, 70 to 73, 76 to 79 & 99 to 114 and Plot Nos. 69, 74, 75 & 80 situated at Sector No II Vaishali Nagar, situated at Indore Annapurna Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-5-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 62 to 68, 70 to 73, 76 to 79 & 99 to 114 and Plot Nos. 69, 74, 75 & 80 situated at Sector No. II Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Manav Kalyan Grah Nirman Sahkari Sanstha Ltd., 195, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Dak Karmachari Grah Nirman Sahkari Sanstha, Ltd., 1, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1977

Ref. No IAC/Acq/Bpl/77-78/903.—Whereas, I, R. K. Bali, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No. 15 to 30, 32 to 40, 42 to 46, 48 to 56, 58 to 61 82 to 85, 88 to 91, 93 to 98 115 to 136 and plot Nos. 31, 41, 47, 57, 81, 87 and 92 all situated at Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 15 to 30, 32 to 40, 42 to 46, 48 to 56, 58 to 61, 82 to 85, 88 to 91, 93 to 98, 115 to 136 and plot Nos. 31, 41, 47, 57, 81, 87, and 92 all situated at Vaishali Nagar, Annapurna Road, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 21-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/904—Whereas, I. R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. Agricultural land Survey No. 185 & 187/2, Total area 20 413 Hctrs, with well & Pump, at Gram-Bicholi Mardana, Tah-Indore, (M.P.) situated at Bicholi Mardana, Indore (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Chand Shah S/o Shri Goras Bhai Shah, Through Power of Attorney Shri Anil Kumar Panchand Shah, R/o 3, Yeshwant Colony, Yeshwant News Road, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ghansiram S/o Shri Brijlal
2. Shri Damodar.
3. Shri Mukut Lal.
4. Shri Murari Lal all sons of Shri Brijlal.
5. Shri Mangi Lal S/o Narainji.
6. Shri Ram
7. Shri Ram Prasad Both sons of Narainji,
All R/o 96, Bhamati Dube Vallabh Nagar,
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and Survey No 185 & 187/2, Total Area 20 413 Hctrs with well & Pump, at Gram-Bicholi Mardana, Tah Indore, (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date . 1st December, 1977.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/905.—Whereas, I R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing, No Agricultural land, Survey No. 187/2, & 194, total area—12 201 hектар with well & Motor Pump, Gram-Bicholi Mardana, Indore (M.P.) situated at Indore (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Smt Santokh Ben W/o Shri Panachand
 2 Shri Mahesh Kumar.
 3 Ku. Radhika through Power of Attorney of Shri Anil Kumar S/o Shri Panachand R/o 3, Yeshwant Colony, Yeshwant Niwas Road, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) 1. Shri Ghansiram
 2 Shri Damodar.
 3. Shri Mukutlal
 4 Shri Murarilal All sons of Shri Bujjal.
 5. Shri Mangal.
 6. Shri Shri Ram
 7 Shri Ram Prasad All sons of Shri Narainji, All R/o 96, Bhamori Dube, Vallabh Nagar, Indore (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land, Survey No 187/2, & 194, total area—12 201 hектар with well & Motor Pump, Gram-Bicholi Mardana, Indore (M.P.)

R. K. BALI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date . 1st December, 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ibrahim Bhai S/o Shri Moosaji Bohra, R/o Sadar Bazar, Bilaspur (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hakimuddin S/o Shri Daud Bhai Bohra, R/o Kharar Ganj Bilaspur (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Saurashtra Rice & Oil Mill, Bilaspur (M.P.)

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/906—Whereas, I R K
BALIbeing the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immoveable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing No.Plot No. 7, Sheet No 35 at Bilaspur situated at Bilaspur
(M.P.)(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bilaspur on 14-4-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No 7 Sheet No 35, at Bilaspur (M.P.)

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);R K BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16-376GJ/77

Date 1st December, 1977
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/907—Whereas, I R. K. BALI being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Godown at Mohalla Mang Ganj, No. 3, H.B. 356, H. No. 59, Area 100' x 30', At Damoh (M.P.) situated at Damoh (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 11-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(1) Shri Nandlal S/o Shri Khemchand Jain, R/o Maagan, No. 2, Damoh (M.P.).
(Transferor)

(2) 1 Shri Praveen Kumar S/o Shri Premchand Patel Asaati Ward No 2, Damoh (M.P.)
2. Shri Avtar Singh S/o Shri Govindram.
3 Shri Rajendra Singh S/o Shri Kesharchand S/o Shri Mathuradas Khanduja, Damoh (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Godown at Mohalla Mang Ganj No. 3, H.B. 59, Area 100' x 30', At Damoh (M.P.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

D. to 1st December, 1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chunilal Masand
S/o Shri W. C. Masand,
3-Model Town Jullundur

(Transferor)

(2) Shrimati Harinder Kaur,
44-Model Town, Jullundur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref. No AP-1729.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 562 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 30-11-77.

Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Bhawani Dutt Schgal
S/o Shri Tuls Ram Schgal
C/o Nakodar Industries,
Maksoodan, Teh. & Distt Jullundur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref. No. AP-1730—Whereas, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to relieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Vijay Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) Shri Sat Pal
S/o Shri Kashori Lal
76-77, Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No 1380 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 30-11-77
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-1731.—Whereas, I B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Shiv Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Chattai Singh
S/o Shri Lakhan Singh Advocate,
385-Lajpat Nagar Jullundur

(Transferor)

(2) Shri Amrit Singh
S/o Sh. Prem Singh
H No 32, Shiv Nagar, Jullundur

(Transferee)

(3) As per S. No 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No 1355 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 30-11-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-173—Whereas I B S. DEHIY A being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of Section 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No As per Schedule situated at Basti Sheikh Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shrimati Vidya Wanti
Wd/o Shri Kundan Lal
S/o Shri Ganga Ram,
Basti Sheikh Road, Jullundur
(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar
S/o Shri Ram Chand
S/o Shri Thakur Dass
C/o Band Boy Dry Cleaners
Plot No 239-Basti Sheikh Road, Jullundur.
(Transferees)

(3) As per S No 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Portion of House as mentioned in the Registration Sale Deed No 367 of April, 1977 of the Registering Authority Jullundur

B. S. DEHIY A
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date . 30-11-77
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th November 1977

Ref No AP-1733—Whereas, I, B S DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Brij Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Waryam Singh
S/o Shri Sant Ram,
R/o Mohalla Gajil Gulla, Jullundur
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand
S/o Shri Subh Karan,
H No G 24, Mohalla Brij Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 255 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

B S DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-11-77.
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Parimal Chandra Dev

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 29th November 1977

Ref No 57/77-78/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I, A N MISRA being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No 576 & 577 situated at Anugul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anugul on 2-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structures thereon situated at Mouza-Anugul Dist Dhenkanal under the jurisdiction of Sub-Registrar, Anugul and registered by sale document No 1094 dated 2-3-1977

A N MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhubaneswar

Date 29-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Nanda Kishore Poddar
 2. Shri Krishna Gopal Poddar,
 3. Shri Dinesh Chandra Poddar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK
 BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 2nd December 1977

Ref. No. 58/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Khetrajpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambalpur on 14-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

17—376GI/77

(2) Delhi Saw Mills
 A partnership Firm,
 through its attorney Shri Ratanshi Bhai Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rayati lands located at Mouza-Khetrajpur, Sambalpur under the jurisdiction of Sub-Registrar, Sambalpur and registered by sale document No 446 dated 14-3-77

A. N. MISRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhubaneswar

Date 2-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACT, 1961 (43 OF 1961)
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref No. Ac-23/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I,
R. V. LALMAWIA
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing

No. 23A/552, situated at Diamond Harbour Road, Cal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Distt. Registrar, 24-Prags., Alipore on 22-4-1977

Registering Officer at

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) 1. Labh Singh,
2. Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3. Smt. Bhajan Kaur,
4. Shri Simer Singh
5. Smt. Mukteer Kaur and
6. Smt. Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20

(Transferor)

(2) 1. Shri Aloke Nath Mukherjee
2. Smt. Uma Sundari Debi
3. Shri Sanjiv Mukherjee
all of 41, Biplobi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

2½ cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore,
being premises No. 23A/552, Diamond Harbour Road,
P.S. Alipore, Distt. 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 28-11-1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

- (1) 1. Labh Singh,
2. Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3. Smt. Bhajan Kaur,
4. Shri Simer Singh
5. Smt. Mukteer Kaur and
6. Smt. Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Aloke Nath Mukherjee
2. Smt. Uma Sundari Debi
3. Shri Sanjiv Mukherjee
all of 41, Biplabi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12.

(Transferee)

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref. No. Ac-/R-II/Cal/77-78.—Whereas I,
R. V. LALMAWIA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 23IA552, situated at Diamond Harbour Road, Cal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Alipore Sadar 22-4-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

21-cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore,
being premises No 23A/552, Diamond Harbour Road,
P.S. Alipore, Distt. 24-Parganas

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 28-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th November 1977

Ref No Ac-24/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 23A/552, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Prgs., Alipore on 25-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following person, namely :—

- (1) 1 Shri Labh Singh,
2. Shri Sapuran Singh alias Saburan Singh
3. Smt. Bhajan Kaur
4. Shri Simer Singh
5. Smt. Mukteer Kaur and
6. Smt. Balbir Kaur
all of 25, Paddapukur Road,
Calcutta-20

(Transferor)

- (2) 1. Shri Aloke Nath Mukherjee
2. Smt. Uma Sundari Debi
3. Shri Sanjiv Mukherjee
all of 41, Biplobi Anukul Chandra Street,
Calcutta-12

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21-cottahs of land in Plot 552, Block-N, New Alipore, being premises No 23A/552, Diamond Harbour Road P.S. Alipore, Distt. 24-Parganas

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date 28-11-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) 1. Sh. Tara Chand | Ss/o Sh. Jodha Ram
2 Sh Vas Dev | 3-G-10, N I. T. Faridabad
(Transferor)

(1) Shri Bhagwan Dass, Sharan Kumar & Ram Lal
Ss/o Sh. Sadhu Ram,
H No. C-9, Nehru Ground,
N H No 1, N.I.T. Faridabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No BGR(DLI)/32/76-77—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No C-9, N H No 1 situated at Nehru Ground N I.T. Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No C-9, measuring 400 Sq. Yds. situated at Nehru Ground, N H No. 1, N.I.T. Faridabad

(Property as mentioned in sale deed registered at No 8423 on 14-3-1977 in the office of the Registering Authority, Ballabgarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No BGR(RL1)/25/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8, situated at N H 1, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) 1. M/s Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co Ltd.,
Regd. Office, N. 75,
Cannaught Circus, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Sh. Bachh Raj Chandolia S/o
Sh. Mul Chand Chandolia, C/o
East Indian Cotton Co. Ltd.,
N.I.T. Faridabad.

2 Sh. Harbans Lal Bhatania S/o
Sh. Ladda Mal Bhatania, C/o
Sodhi Transport,
Mathura Road, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 8, measuring 1200 Sq. Yds situated in N.H.1, Faridabad on Railway Road, between Bata Chowk and Cinema

"Property as mentioned in sale deed registered at No. 8695 dated 31-3-77 in the office of Registering Authority, Ballabgarh "

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chhagan Lal S/o
Shri Kalu Ram,
R/o Abohar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No SRS/7/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 portion in Shop No 76, Nai Mandi, Sirsa situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Gauri Shanker S/o
Shri Trilok Chand,
Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa
(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No. 537 of April, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chaggan Lal S/o
Shri Kalu Ram,
R/o Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hira Lal prop.
M/s. Chet Ram Ram Sukhdass,
Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No. SRS/26/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 portion in Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa situated at Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Shop No. 76, Nai Mandi, Sirsa

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 542 of April, 1977 of the Registering Authority Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Labb Chand S/o
Shri Panjab Ram
Plot No. 180-B Block,
Nai Mandi, Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal Makkar S/o
Shri Niamat Rai,
R/o Fazilka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No. SRS/18/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 181/B-I, measuring 200 Sq. ds., Nai Mandi, Sirsa situated at Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 181/B-I, Nai Mandi, Sirsa
(Measuring 1800 Sq. ft.)

Property as mentioned in sale deed registered at serial No. 1270 of May, 1977 of the Registering Authority Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

18—376GI/77

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No. CHD/23/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 495/20-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gurdial Chand Bhasin
S/o Sh. Jiwan Dass Bhasin,
R/o 1162/21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Shri Ganpat Rai Sharma
S/o Shri Shankar Dass Sharma,

(ii) Smt. Mukta Sharma
W/o. Sh. Ganpat Rai,
R/o 89, Jhoke Road,
Ferozepur Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey residential building bearing No. 495, Sector 20-A, Chandigarh with land area of 254 05 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered vide serial No 168 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Punam Sangari
D/o Shri J. S. Sangari,
412/22-A, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No CHD/38/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1218/19-B, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) (i) Shri Tarlok Singh
(ii) Shri Amrik Singh
sons of Sh. Nanak Singh
C/o Shri Gurdial Singh,
2437/19-C, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) (i) Sh. B. S. Bindra, SDO/MES
(ii) Sh. Vasdev Chhabra, Education Deptt Haryana,
(iii) Sh. J P Gupta, Ministry of Transport
(iv) Sh. Amrit Kumar Mehta, Modella Woollen
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Double storey residential building No 1218, Sector 19-B, Chandigarh with total area of land of 275 sq yds

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 367 of June 1977, of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No CHD/41/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1 portion of H. No. 99/8-A Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigarh in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurdip Kaur
W/o Maj. Genl. Mohinder Singh
305/33-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt Genl Sartaj Singh
S/o Capt. Faujdar Singh
R/o 80/5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

portion of House No. 99, Sector 8-9, Chandigarh.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 449 of July, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Nand Singh, Jang Singh,
Madan Singh & Smt. Jai Kaur R/o
Village Pahorkan, Teh. & Distt. Sirsa
(Transferor)

(2) (i) Sh. Bhag Singh s/o Sh. Lal Singh,
(ii) S/Sh. Sadhu Singh, Sukhwinder Singh, Gurtej
Singh, sons of Sh. Bhag Singh R/o
Vill. Gujewala, (Muktsai), Punjab.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref No SRS/11/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 117 Kanal 12 marlas in Village Pahorkan situated at Village Pahorkan Teh Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 117 Kanal—12 marlas situated in Vill. Poharkan, Tehsil Sirsa

(Property as mentioned in the sale deed registered vide Sl. No. 2733 of July, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 30th November 1977

Ref. No. SRS/12/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 98 Kanal in Village Nazodla Kalan situated at Vill. Nazodla Kalan, Teh. Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Darshan Singh, Lakhbir Singh Amrik Singh sons of Sh. Pritam Singh, Vill. Nazodla Kalan, Teh. Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Surinder Paul, Bipan Kumar, Pawan Kumar, sons of Sh. Lachhu Ram, Mandi Kalanwali, Teh. Sirsa

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 98 kanals Khasra No.

162	163
1 to 12	1/1
96-00	2-00

in Village Nazodla Kalan, Teh. Sirsa.

(Property as mentioned in the sale deed registered vide serial No. 2799 of July, 1977 of the Registering Authority, Sirsa)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 30-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sidhana Engg Works,
N I T Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 3rd December 1977

Ref. No BGR(DLI)/25/76-77 —Whereas, J. RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Factory Plot No 112, alongwith construction situated at Sector 6, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Clutch Auto (Pvt) Ltd,
N I T, Faridabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 112 alongwith construction and measuring 1244.44 sq yds situated at Sector No 6, Faridabad.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 8636 dated 30th March, 1977 registered in the office of registering authority Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vasudeva Krishnaji Naik,
H. No. 15-3-5 at Gowliguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Ashok B. Mulajker,
S/o Sri B. G. Mulajkar
H. No. 23-5-480 at Shahi Banda,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 153/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No. 61 situated at Venkateswara Cooperative Housing Society, Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land surrounded by compound wall, Plot No. 61 admeasuring about 360 Sq. Yds. bearing M. No. 3-5-167 situated at Sri Venkateswara Co-operative Housing Society Ltd., Narayanguda, Hyderabad, registered vide Document No. 697/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-12-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1977

Ref. No. RAC No. 154/77-78.—Wherens, I,
K. S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 530/4 Ward 16 situated at Gandhi Nagar, Nellore-town (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 16-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Smt A Sulochana,
W/o Dr Arjun Singh,
R/o Old Hospital Road,
Nellore

(Transferor)

(2) Sri P K Doraswamy,
S/o Kannaiar Naidu,
H. No 530/4 Ward No. 16 at Gandhi Nagar,
Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Door No 530/4 Ward No 16 at Gandhi Nagar Nellore, registered vide Document No. 797/77 at the Office of the Sub-Registrar Nellore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 2-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6,

Madras-6, the 24th November 1977

Ref No 37/APR/77—Whereas, I, A T GOVINDAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Navabathkhana Court Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc No 674/77) on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt Mahalakshmi Ammal,
Shri L K Santhamurthi,
Shri L K Kuraren,
Smt T V Rameela,
Smt O R Chandra,
Smt A M Ganga,
Smt L K Brinda,
Smt L K Usha,
Nos. 13 & 14, Navabathkhana Court Street,
Madurai.

(Transferors)

(2) M/s Bharat Textiles Traders,
rep. by partner Shri J. K. Narayanan,
No. 9/52, West Kannara Street,
Bhavani, Coimbatore district

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 3,933 sq. ft. with building thereon at door No 15 (T. S Nos. 1479, 1478, 1477 & 1472/part) Navabathkhana Court Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date, 24-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1 Smt. Pulvanti;
 2 Shri Ramesh C. Shah;
 3 Smt. Sunita;
 4. Shri Rajesh C. Shah;
 5. Shri Kamlesh C. Shah;
 6. Shri Vimlesh C. Shah;
 7 Smt. Chandrika C. Shah,
 8 Shri Trilochana C. Shah
 No. 7 Cathedral Road (First Floor)
 Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
 GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1977

(2) 1 Shri Ravindra Kumar,
 2. Smt. Usha Baid, and
 3 Smt. Chandan Baid
 No. 30 Haddows Road,
 Madras-600 006

(Transferee)

Ref. No. 2531 77-78.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 situated at Haddows Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 200/77) on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds and 926 Sq. ft (with building) situated at No. 30 Haddows Road, Nungambakkam, Madras-6. (R.S. No. 110).

K. PONNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Madras-6

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 1-12-77
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1977

Ref No F 3852/77-78 ---Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 15, Rue Dumas situated at Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Addl JSR, Pondicherry (Doc No 489/77) on 20-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Mr. Emmanuel Adiceam
S/o Xavier Adiceam
2. Mrs Margurite Adiceam
W/o Mr Emmanuel Adiceam
No. 35 Rue Dumas, Pondicherry.

(Transferors)

(2) Ecole Francaise d'Extreme Orient
No. 20 Rue Dumas, Pondicherry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7778 Sft. (with building) situated at Door No. 15, Rue Dumas, Pondicherry.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6

Date : 1-12-77

Seal